सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिला

संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 69 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 22 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एक शख्स मिला कोरोना पॉजिटिव, एम्स रायपुर भेजी रिपोर्ट, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट जेएन.1 की एंट्री हो चुकी है। यहां एक 49 साल का शख्स कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है। देश में पांच सप्ताह से कोरोना संक्रमित मरीजों में जेएन.1 पाया जा रहा है। बीते एक सप्ताह में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए आए मरीजों के सभी सैंपल में नया वेरिएंट मिला है। जो 40 से अधिक देशों में संक्रमण बढ़ा रहा है। देश के 11 राज्यों में कोरोना बढ़ रहा है।

बिलासपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजेश शुक्ला ने बताया कि अब तक 136 लोगों का परीक्षण किया गया है। जिसमें से एक रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मरीज को बीते कुछ समय से खांसी और सर्दी थी। यह जांचने के लिए नमूना एम्स रायपुर भेजा जाएगा कि वेरिएंट नया है या पुराना। मरीज के विदेश यात्रा से वापस लौटने की बात कही जा रही है। मरीज शहर के तालापारा क्षेत्र का है।

इन राज्यों तक पहुंचा कोरोना का नया वेरिएंट

इन्साकॉग के अलावा नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने भी स्वास्थ्य मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें बताया गया है कि जेएन.1 का संक्रमण देश के 11 राज्यों तक पहुंचा है। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के अलावा गोवा, पुडुचेरी, गुजरात, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान में भी कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं, जिनके सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट आने का इंतजार है।

पुंछ में सैन्य वाहनों पर आतंकी हमला, पांच जवान शहीद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बृहस्पतिवार को दोपहर 3:45 बजे भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने बफलियाज इलाके में सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। हमले में पांच सैनिक बलिदान हो गए। दो घायल हैं। दहशतगर्दों ने ग्रेनेड दागे, फिर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। दो जवानों के शव क्षत-विक्षत भी कर दिए गए हैं। कुछ जवानों के हथियार भी ले भागने की आशंका है। पाकिस्तान समर्थित पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले के तत्काल बाद जवानों ने मोर्चा संभालते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया। मुठभेड़ देर रात तक जारी रही।

जानकारी के अनुसार बफलियाज की ओर से 48 राष्ट्रीय राइफल्स के दो वाहन डेरा गली आ रहे थे। इनमें एक जिप्सी तथा दूसरा ट्रक था। राजोरी-थन्नामंडी-सुरनकोट रोड पर सावनी में घात लगाए आतंकियों ने पहले ग्रेनेड दागा। दोनों वाहनों के रुकते ही चारों ओर से घेरकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों की संख्या चार से छह बताई जा रही है। जम्मू में सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्थवाल ने बताया कि सैन्य वाहन से जवानों को बुधवार रात से जारी घेराबंदी एवं तलाशी अभियान वाले इलाके में लाया जा रहा था।

विष्णु कैबिनेट को मिले 9 रत्न

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

सभी मंत्रियों को राज्यपाल ने वरिष्ठता क्रम से दिलाई शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार के बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल का आज गठन हो गया। राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन ने एक महिला समेत कुल 9 मंत्रियों को शपथ दिलाई। मंत्रियों के नामों का ऐलान कल ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कल दिया था, इसलिए नामों को लेकर कोई संशय नहीं था। नए मंत्रिमंडल में सरगुजा संभाग से तीन, रायपुर संभाग से दो, बस्तर और दुर्ग संभाग से एक-एक विधायकों को मंत्री बनाया गया है। राजभवन में आयोजित गरिमामय समारोह में आज सबसे पहले कद्दावर नेता और 8 बार के अजेय विधायक बृजमोहन सिंह ने शपथ ली। उनके पश्चात वरिष्ठ आदिवासी नेता रामविचार नेताम को शपथ दिलाई गई। इनके साथ ही 7 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और दो उपमुख्यमंत्रियों अरुण साव व विजय शर्मा ने 13 दिसम्बर को शपथ ग्रहण की थी।

मंत्रिमंडल के गठन को लेकर जारी सस्पेंस तो हालांकि कल ही खत्म हो गया था, लेकिन आज विष्णुदेव साय की सरकार में 9 मंत्री शामिल हो गए। इनमें 4 मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, दयालदास बघेल और केदार कश्यप पूर्व में मंत्री रह चुके हैं, जबकि लखनलाल देवांगन, श्यामबिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाडे और टंकराम वर्मा पहली बार मंत्री बने हैं। भाजपा ने मंत्रिमंडल में पुराने के साथ नए चेहरों को भी मौका दिया है। इससे पहले भाजपा नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय से आने वाले विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भविष्य की रणनीति के कई निशाने एक साथ साधने की कोशिश की थी। पार्टी ने दो उपमुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक और राजनीतिक संतुलन बनाने का भी काम किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने सामाजिक, राजनीतिक और पार्टी के अंदरूनी समीकरणों को पूरी तरह साधते हुए लोकसभा चुनाव की रणनीति को भी ध्यान में रखा है। 90 सदस्यीय विधानसभा वाले छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 13 मंत्री रह सकते हैं। 9 विधायकों के आज शपथ लेने के बाद मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या अब 12 हो गई है। जबकि मंत्री का 1 पद फिलहाल रिक्त है।

राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सबसे पहले आज वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने शपथ ग्रहण की। उनके बाद एक अन्य वरिष्ठ नेता रामविचार नेताम और उनके पश्चात दयालदास बघेल, केदार कश्यप ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। दूसरी और पहली बार विधायक चुनकर आए विधायकों में लखनलाल देवांगन, श्यामबिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी और फिर लक्ष्मी राजवाड़े व टंकराम वर्मा को राज्यपाल ने क्रमशः शपथ दिलाई। बृजमोहन अग्रवाल सामान्य वर्ग से जबकि रामविचार नेताम आदिवासी वर्ग से हैं। दोनों भाजपा के बड़े रणनीतिकार माने जाते हैं। सरगुजा संभाग से कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने में श्री नेताम की अहम् भूमिका रही। वहीं दयालदास बघेल ने सतनामी समाज के गुरू व केबिनेट मंत्री गुरू रुद्रकुमार को हराया। वे एससी वर्ग का बड़ा चेहरा हैं। इसी तरह केदार कश्यप चौथी बार विधायक बने हैं। वे 3 बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। लखनलाल देवांगन दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। वे कोरबा क्षेत्र के महापौर भी रह चुके हैं। उन्होंने कद्दावर कांग्रेस नेता जय सिंह को हराया था। श्याम बिहारी जायसवाल भी दूसरी बार विधायक बने हैं। वे किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। माना जाता है कि किसानों को भाजपा के पाले में लाने में उनकी बड़ी भूमिका रही। पूर्व आईएएस ओपी चौधरी पहली बार विधायक निर्वाचित हुए। पिछली बार वे चुनाव हार गए थे। लेकिन पार्टी के प्रदेश महामंत्री के रूप में उन्होंने खूब काम किया था। साय मंत्रिमंडल में लक्ष्मी राजवाड़े सबसे कम उम्र की मंत्री हैं। वे पहली बार विधायक बनीं हैं। इससे पहले जनपद सदस्य के साथ ही महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रही हैं। वहीं टंकराम वर्मा भी पहली बार चुनाव जीते। हालांकि वे करीब 30 वर्षों से सक्रिय राजनीति में हैं।

पहली बार में ही लगी लॉटरी

सबसे कम उम्र की मंत्री बनी लक्ष्मी

सरगुजा संभाग और सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र से लक्ष्मी राजवाड़े पहली बार विधायक निर्वाचित हुई हैं। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम वीरपुर की लक्ष्मी राजवाड़े पहली बार जनपद सदस्य के पद पर निर्वाचित हुई थी। पिछले पंचायत चुनाव में उन्होंने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी जीता था। वर्तमान में जिला पंचायत सूरजपुर के सदस्य के अलावा वे भाजपा महिला मोर्चा सूरजपुर की जिला अध्यक्ष भी है। भाजपा संगठन में आरंभ से ही सक्रिय लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने पहले ही चुनाव में कांग्रेस के पारसनाथ राजवाड़े को 43 हजार से अधिक मतों से पराजित किया है। पारसनाथ राजवाड़े दो बार के विधायक थे। लक्ष्मी राजवाड़े को संगठन में सक्रियता का लाभ मिला। पहले उन्हें पार्टी ने प्रत्याशी बनाया अब विधायक निर्वाचित होने के बाद मंत्री पद की भी बड़ी जबाबदारी दी जा रही है। वे सबसे कम उम्र की मंत्री हैं।

कलेक्टरी छोड़ी पर भाजपा को थामे रखा

2005 बैच के अधिकारी ओपी चौधरी केवल 22 साल में आइएएस बने और 36 साल की उम्र में नौकरी छोड़ी। 2018 में जब ओपी ने नौकरी छोड़ी, तब वह डा.रमन सिंह की सरकार में रायपुर में कलेक्टर थे। भाजपा में प्रवेश कर वह साल 2018 में खरसिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़े, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दो जून 1981 को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे ओपी के पिता दीनानाथ चौधरी एक शिक्षक थे। उन्होंने अपनी शुरुआती स्कूली शिक्षा अपने पैतृक गांव बयांग से ही पूरी की। खपरैल के स्कूल में ओपी चौधरी ने पढ़ाई की। स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने भिलाई से बीएससी की। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से गणित, भौतिकी और इलेक्ट्रानिक्स में स्नातक की पढ़ाई पूरी की और फिर सिविल सर्विस की तैयारी में जुट गए। पहले ही प्रयास में यूपीएससी परीक्षा में उनका चयन हुआ। कलेक्टरी छोड़ने के बाद भी उन्होंने भाजपा का दामन थामे रखा। पार्टी महामंत्री के रूप में उन्होंने खूब काम भी किया।

धार्मिक आयोजनों से मिली वर्मा को ख्याति

मंत्रिमंडल में एक चौंकाने वाला नाम टंकराम वर्मा का रहा, जो बलौदाबाजार से पहली बार चुनकर आए हैं। मंत्री बनने वाले टंकराम वर्मा शिक्षक की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए। भाजपा विधायक टंकराम वर्मा ने एलएलबी किया है। वे सबसे पहले तिल्दा से जिला पंचायत सदस्य चुने गए, फिर रायपुर जिला पंचायत में उपाध्यक्ष बने। टंकराम वर्मा पिछले 30 वर्षों से सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। विधायक बनने से पहले वे बलौदा बाजार जिला ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष थे। क्षेत्र में रामायण व भागवत कथा करवाने के नाम से टंकराम वर्मा को ख्याति मिली। कुर्मी समाज से आने वाले टंकराम वर्मा ने पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी को 14 हजार से अधिक मतों से हराया था।

धमतरी-चरामा हाइवे पर ट्रक से भिड़ी यात्री बस, तीन की मौत और कई घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी - चारामा हाइवे रोड के बीच बालोद जिला अंतर्गत ग्राम मरकाटोला घाट के पास तेज रफ्तार महिंद्रा ट्रेवल्स की यात्री बस एक ट्रक से जा टकराई। दुर्घटना में बस में सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई है। जबकि बस में सवार 12 यात्रियों को चोंटे आई है। मामला बालोद जिले के पुरुर थाना क्षेत्र का है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार पुरूर थाना क्षेत्र के ग्राम मरकाटोला के पास शुक्रवार को सुबह करीब 9:00 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। पहले से दुर्घटना ग्रस्त ट्रक के पीछे से आकर एक यात्री बस टकरा गई। महिंद्रा ट्रेवल्स की इस बस में कंडक्टर साइड में बैठे हुए तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 12 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं। घायलों को चारामा अस्पताल भिजवाया गया। तीनों के शव को बाहर निकाला जा चुका है और गुरूर मर्च्यूरी भिजवाया गया।

घटना स्थल पर बालोद के एसपी जितेंद्र यादव सहित पुरूर थाना प्रभारी शिशुपाल सिन्हा सहित पूरा अमला पहुंच गया। घटना की वजह तेज रफ्तार या कोहरे का कहर हो सकता है। मृतक और घायल काफी देर तक बस में हो फसे रहे।

मुख्यमंत्री ने हादसे पर जताया दुःख

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले के मरकाटोला घाट में आज हुए यात्री बस हादसे में मृतक लोगों के प्रति शोक जताया है तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने जिला प्रशासन को घायल यात्रियों के समुचित इलाज एवं अन्य व्यवस्था के निर्देश दिये हैं। जिला प्रशासन बालोद द्वारा घायलों को उपचार के लिए धमतरी एवं कांकेर के अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धिः सेन्ट्रल पूल में छत्तीसगढ़ से 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लेगा एफसीआई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आग्रह पर भारत सरकार ने दी तत्काल अनुमति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आग्रह को भारत सरकार ने तत्काल स्वीकार करते हुए छत्तीसगढ़ से सेन्ट्रल पूल में 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह राज्य के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ से उसना चावल उपार्जित किए जाने की अनुमति काफी दिनों से लंबित थी। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार से उसना चावल के उपार्जन की अनुमति मिलने पर कहा कि डबल इंजन की सरकार होने से राज्य को यह फायदा मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल का आभार जताया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की स्थिति एवं कस्टम मिलिंग की ओर केन्द्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल का ध्यान आकर्षित करते हुए 21 दिसंबर को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में सेन्ट्रल पूल में चावल उपार्जन का कोटा 61 लाख मेट्रिक टन से बढ़ाकर 74 लाख मेट्रिक टन करने के साथ ही राज्य से 59 लाख मेट्रिक टन अरवा तथा 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने का अनुरोध अपने पत्र में किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 20 दिसंबर की स्थिति में समर्थन मूल्य पर 8.68 लाख किसानों से 39.63 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है एवं प्रतिदिन 3 लाख मेट्रिक टन से ज्यादा धान की आवक हो रही है। इस साल किसानों से समर्थन मूल्य पर लगभग 130 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन अनुमानित है। जिसके कस्टम मिलिंग से 88 लाख मेट्रिक टन चावल निर्मित होगा। इसमें से केन्द्रीय पूल में लगभग 74 लाख मेट्रिक टन (भारतीय खाद्य निगम में 58 मेट्रिक लाख टन एवं नागरिक आपूर्ति निगम में 16 लाख टन) एवं स्टेट पूल में 14 लाख टन चावल का उपार्जन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश हेतु केन्द्रीय पूल में 61 लाख टन चावल उपार्जन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश में कुछ किस्म के धान के मिलिंग में ज्यादा ब्रोकन आने के कारण निर्धारित गुणवत्ता का अरवा चावल नहीं बनने से अरवा मिलिंग में कठिनाईयां आती है। ऐसे धान की उसना मिलिंग कराने से कस्टम मिलिंग में गति आयेगी। मुख्यमंत्री के आग्रह को स्वीकार करते हुए केन्द्रीय खाद्य मंत्री के निर्देश पर भारत सरकार के खाद्य विभाग मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ से 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल उपार्जन की स्वीकृति का पत्र जारी कर दिया गया है।

एक बार फिर बाजारवाद के खिलाफ खड़ा हुआ धर्म

श्रीकंचनपथ

भारत एक ऐसा देश है जहां जीवनोपयोगी हर वस्तु की प्रचुरता है। यहां विकसित प्रत्येक धर्म सादगी, शुचिता और सेवा को प्रधानता देता है। सादा भोजन-उच्च विचार५५ के इस देश को पिछले कुछ दशकों में बाजारवाद ने अपने चपेट में ले लिया है। लोगों की जरूरतें इतना बढ़ा दी गई हैं कि अपनी आवश्यकता से चार गुना कमाने वाला व्यक्ति भी कर्ज का बोझ ढो रहा है। इसका लाभ उठाते हुए निजी बैंकों और फाइनेंस कंपनियों ने अपना महाजाल बिछा दिया है। क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन बांटने के लिए फिर कंपनियों से लेकर बैंक तक उतावले हुए पड़े हैं। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, टू-व्हीलर, फोर व्हीलर के बाजार में बहार आई हुई है। शिक्षा से लेकर शादी तक सबकुछ ऋण और ब्याज पर चल रहा है। कभी सूदखोरों से बचाने के लिए बैंकों की स्थापना की गई थी जहां मामूली ब्याज पर लोगों को ऋण मिल जाया करता था। अब सूदखोर तो कम हो गये पर बैंक ऐसा स्कीम लेकर आ गए जिसमें तीन साल में ऋण पर ब्याज मूलधन के बराबर हो जाता है। पर बाजारवाद की गिरफ्त में फंसे लोगों का इसकी तरफध्यान नहीं है। हो भी कैसे। सादगी और बचत में यकीन करने वाला भारतीय समाज अब दिखावे की ओर कूच कर गया है। बाजारवाद ने उसकी जरूरतें इतनी बढ़ा दी हैं कि शहर की तंग गलियों में रहने वाले भी एसयूवी और एक्सयूवी खरीद रहे हैं। गलियों में पार्किंग के लिए झगड़े हो रहे हैं और सड़कें पार्किंग में तब्दील हो रही हैं। शौक हैं कि इसके बाद भी कम नहीं होते। ऐसे में सिख समाज ने एक बार फिर पहल की है। छत्तीसगढ़ सिख पंचायत ने गुरुद्वारों को फिजूलखर्ची और दिखावे से अलग रखने का फैसला लिया है। पंचायत का निर्णय है कि अब गुरुद्वारों में केवल लावा फेरों की रस्म ही निभाई जाएगी। इसमें जोड़ा सादे वस्त्रों में अर्थात सलवार सूट में ही शामिल होगा। यहां जयमाल जैसी कोई रस्म नहीं होगी। सिख परिवारों में मृत्यु होने पर गुरुद्वारे में सादा लंगर ही आयोजित किया जा सकेगा। इसमें पकवान या मीठा शामिल नहीं किया जाएगा। इस लंगर के खर्च में सभी संगत अंशदान कर सकेंगे। इससे किसी भी परिवार पर बोझ नहीं पड़ेगा। गुरुद्वारों की तरफ से फिजूलखर्ची के खिलाफ आया यह कोई पहला फरमान नहीं है। पिछले तीन दशकों में अकालतख्त ने ऐसे कई नियम बनाए हैं जो वैवाहिक खर्च को कम करने की कोशिश करते दिखाई देते हैं। भारतीय समाज में विवाह एक ऐसी रस्म है जिसमें लोग वर्षों की कमाई दो-चार दिन के दिखावे पर फूंक देते हैं। शानदार शादी और शानदार दावत का यह बुखार कुछ ऐसा है कि परिवार कर्ज में डूब जाते हैं। समाज लड़की वालों पर इतना दबाव बनाता है कि लड़की होना ही अभिशाप लगने लगता है। वक्त आ गया है कि अन्य समाज भी इस दिशा में अपनी कोशिशें प्रारंभ करे।

संपादकीय

दूरसंचार में सुधार

देश में आजादी से पहले गिनती के टेलीफोन हुआ करते थे, पर अब भांति-भांति के फोन सब्सक्राइबर की संख्या एक अरब की संख्या को पार कर चुकी है। जब 74 करोड़ से ज्यादा इंटनरेट उपयोक्ता हो गए हैं, तब दूरसंचार संबंधी कानूनों को बदलना बहुत जरूरी है। संसद में दूरसंचार विधेयक, 2023 को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया है और इसकी खूब चर्चा हो रही है। जिस देश में ज्यादातर लोगों के हाथों में फोन हो, वहां उससे संबंधित किसी कानून का बनना या बदलना स्वाभाविक ही रोचक विषय है। यह विधेयक उपग्रह स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन की अनुमति देता है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए लाइसेंस व्यवस्था को प्राधिकरण व्यवस्था से बदल देता है। कानून में उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के उपायों को मजबूत करता है और विवाद समाधान के लिए चार-स्तरीय संरचना भी प्रदान करता है। नया विधेयक इसलिए भी मायने रखता है, क्योंकि यह भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम (1885) और वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम (1933) का भी स्थान लेगा। भारत में दूरसंचार क्षेत्र में जिस ढंग से बदलाव हुए हैं, उसमें निजी क्षेत्र की पकड़ बहुत मजबूत हो गई है। निस्संदेह, नया दूरसंचार कानून सरकार के हाथ मजबूत करेगा। विगत दशकों में हमने देखा है कि देश में सिम कार्ड एक तरह से गली-गली में बंटे हैं। मोटे तौर पर दो ही बड़ी कंपनियां मैदान में मजबूती से बची हैं, पर जब लगभग छह कंपनियां सक्रिय थीं, तब किसी भी मोहल्ले में लोगों से ज्यादा सिम कार्ड पाए जाते थे। जाहिर है, सिम कार्ड लेने के लिए फर्जीवाड़ा भी खूब हुआ। बढ़ती सुविधा के साथ साइबर ठगी को भी बल मिला, पर नए कानून के लागू होने के बाद अगर कोई गलत ढंग से सिम लेता है, तो उसे तीन साल की सजा या 50 लाख रुपये तक के आर्थिक दंड का भागी बनना पड़ सकता है। ऐसे कड़े कानून के बाद अगर फर्जी ढंग से सिम कार्ड का बंटना रुक जाएगा, तो यह निस्संदेह देशहित में होगा। इससे साइबर ठगी रोकने में भी मदद मिलेगी। ग्राहक सत्यापन में कड़ाई बरती जाएगी, इसकी शिकायत हो रही है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां तकनीक का दुरुपयोग आम बात है, यह उचित है। संदिग्ध या अपराधी ग्राहकों या उपयोक्ताओं पर निगरानी का भी साया रहेगा। गोपनीयता की चिंता जताई जा रही है, पर जरूरी होने पर गोपनीयता में सेंध सरकार के लिए मजबूरी है। सरकार किसी संदेश को बीच में ही रोकने में सक्षम होगी। हां, प्रेस को छूट दी गई है। वाट्सएप इत्यादि के जरिये होने वाली कॉल और ओटीटी मैसेजिंग की भी निगरानी संभव हो जाएगी। गौर करने की बात है कि दूरसंचार पर सरकार का कब्जा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि दूरसंचार का ज्यादातर काम निजी कंपनियों के हाथों में है और निजी कंपनियों में प्रत्यक्ष या परोक्ष ढंग से विदेशी पैसा भी लगा हुआ है। विशेष रूप से उपद्रवग्रस्त इलाकों में सरकार पहले भी किसी नेटवर्क को अपने हाथ में लेती रही है, अब इस कानून के जरिये उसे इस काम में आसानी होगी। आम आदमी के नजरिये से देखें, तो दूरसंचार के क्षेत्र को अच्छी सेवाओं के पैमाने पर अभी बहुत आगे जाना है और तकनीक को ज्यादा सहज होना है। इन कानूनों में किए गए अनेक प्रावधान बहुत जरूरी हैं, अगर यह भावी कानून आम आदमी को सुरक्षित करता है, तमाम तरह की ठगी से बचाता है, तो यह कानून सच्चे अर्थों में प्रशंसनीय हो जाएगा। ध्यान रहे, इस साल देश में दस लाख से ज्यादा साइबर ठगी के मामले हो चुके हैं।

> ऐसे कड़े कानून के बाद अगर फर्जी ढंग से सिम कार्ड का बंटना रुक जाएगा, तो यह निस्संदेह देशहित में होगा। इससे साइबर ठगी रोकने में भी मदद मिलेगी। ग्राहक सत्यापन में कड़ाई बरती जाएगी।

नेतन्याहू फंस गए चक्रव्यूह में!

बेंजामिन नेतन्याहू को देश और विदेश दोनों में कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। युद्ध शुरू हुए 70 दिन बीत चुके हैं, मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है, इजराइल से अगवा किए गए बहुत से लोग अभी भी गाजा में बंधक हैं लेकिन इजराइल के प्रमुख पश्चिमी मित्र राष्ट्र समर्थन देते-देते थक गए है। इनकी आलोचना तीखी होती जा रही है। और विकल्प की तलाश भी हो रही है।

कुछ दिन पहले इजरायली सैनिकों द्वारा बंधकों को मुक्त कराने की बजाए उन्हें मार डालने की घटना से उन लोगों को बल मिला है जिनका तर्क है कि सैन्य अभियान, जिसमें बमबारी और सड़कों पर आमने-सामने की लड़ाई शामिल है, से उन लोगों के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है जो अभी भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं। कुल मिलाकर इजराइल की बदनामी है और हमास की सैन्य ताकत को नष्ट करने का मुख्य लक्ष्य बहुत दूर नजर आता है। गाजा में हमास के प्रमुख याह्या सिनवर और मोहम्मद डिएफ व मरवान इस्सा, जो उसके सैन्य बल के कमांडर हैं, अब भी जिंदा हैं। इसका आंशिक कारण है हमास का सैकड़ों मील लंबी सुरंगों का नेटवर्क, जिसे इजराइल अपनी सैन्य शक्ति और ड्रोन सर्विलांस क्षमताओं के बावजूद तहस-नहस करने में असफल रहा है। उधर नेतन्याहू की सत्ता पर पकड़ कमजोर हुई है। लेकिन उनका रवैया जस का तस है। वे इजरायली सेना से अपना अभियान तेज करने को कह रहे हैं। इन्होंने आईडीएफ की एक पूरी एयरबोर्न डिवीजन दक्षिणी शहर खान युनुस के अंदर और उसके आसपास तैनात कर दी है, जहां उनके अनुमान के अनुसार हमास के वरिष्ठ नेता छिपे हुए हैं। तीन बख्तरबंद डिवीजनें अभी भी तहस-नहस हो चुके गाजा शहर में सक्रिय हैं। शहर के शुजाहिया और जबालिया इलाकों में भीषण लड़ाई जारी है। आईडीएफ उन सुरंगों को नष्ट कर रहा है, जिनमें हमास के लड़ाके शरण लेते हैं और शहर के अंदर व उसके बाहरी क्षेत्र की सैन्य व नागरिक अधोसंरचना को भी। आईडीएफ ने गाजा शहर के पेलिस्टाइन स्क्वेयर में इजरायली झंडा फहराया और कई ऐसे स्थानों पर हनुक्का मोमबत्तियां जलाईं है जहां लड़ाई हुई थी। लेकिन अभी भी बात बनी नहीं है। वह जीत अब तक हासिल नहीं हो सकी है, जिसकी मांग इजरायली नागरिक अपने नेताओं से कर रहे हैं। चार बंधकों की मौत के कारण इजरायइल की सरकार पर शेष बंधकों की रिहाई के लिए नए सिरे से बातचीत करने का दबाव बढ़ा है। बंधकों के परिवारजनों के प्रदर्शन बढ़ रहे है और यह माना जा रहा है कि बंधकों की सही-सलामत रिहाई के सम्भावना कम होती जा रही है। ऐसी खबरें आ रही हैं कि बंधकों में से अधिकांश की या तो मौत हो चुकी है या उनकी हत्या कर दी गई है। वाकई उनके लिए समय बीतता जा रहा है। नागरिकों की बढ़ती मौतों से इजरायली आक्रमण के प्रति अंतर्राष्ट्रीय समर्थन पहले से ही घट चुका है। और अब अमरीका, जिसका समर्थन इजराइल के लिए अपरिहार्य है, का रवैया भी ढुलमुल हो रहा है। ऐसी कई खबरें हैं कि अपनी हालिया यात्रा के दौरान अमरीकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने इजरायलियों से कहा कि उन्हें इस साल के अंत तक अपनी कार्यवाही पूर्ण करनी होगी। इस बीच अमरीकी प्रशासन यह मांग भी कर रहा है कि इजराइल, फिलिस्तीनियों की तकलीफें दूर करने की दिशा में और अधिक कार्य करे, विशेषकर दक्षिणी गाजा में। करीब 20 लाख लोग, जो युद्ध के कारण अपने घरों से विस्थापित लोगों के तीन-चौथाई से भी अधिक है, भीड़ भरी जगहों पर समूहों में रह रहे हैं। उन्हें रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रही हैं और स्वच्छता की कमी के चलते बीमारियों का प्रकोप होने का खतरा है। इसके अलावा जनाक्रोश भी बढ़ रहा है। बंधकों की हत्या के बाद कई लोग कह रहे हैं कि अब उन्हें न तो नेतन्याहू पर भरोसा है और ना ही उनसे कोई उम्मीद है। एक नेता के रूप में उनकी भूमिका को लेकर गुस्सा है, विशेषकर उनके जिम्मेदारी स्वीकार न करने के रवैये और मृतकों के परिवारों से नहीं मिलने को लेकर। यद्यपि हमास सार्वजनिक रूप से कह चुका है कि बंधकों को लेकर तब तक आगे कोई बातचीत नहीं होगी जब तक इजराइल गाजा पर आक्रमण नहीं रोकता मगर असल में कतर और मिस्र की सहायता से बातचीत जारी है।

> आम आदमी की दूसरी शिकायत पुलिस के व्यवहार को लेकर रहती है। बगैर लिखा-पढ़ी लोगों को थाने में बैठा लेने और उनके निकट संबंधियों को जानकारी नहीं देने तथा उनके साथ मानवीय व्यवहार न करने की शिकायतें आम हैं। अब गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी का नाम, उसकी पहचान तथा उसका नंबर उसकी वर्दी पर ऐसी जगह लिखा होना चाहिए, जहां उसे आसानी से पढ़ा और देखा जा सके।

अब दंड के बजाय न्याय पर ज्यादा जोर

हरबंश दीक्षित, विधि विशेषज्ञ

कानूनों में सुधार समय की मांग है और देश इस राह पर तेजी से बढ़ रहा है। संसदीय समिति की अनुशंसा के बाद ही आपराधिक कानूनों में व्यापक सुधार की पीठिका तैयार हो गई थी और अब भारतीय दंड संहिता 1860, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 तथा मूलत: 1878 में तैयार की गई दंड प्रक्रिया संहिता की जगह नए कानूनों को 20 दिसंबर को लोकसभा की मंजूरी मिल गई है। देश के आम लोगों की नजर से भी यह खुशी की बात है। राज्यसभा से पारित होने तथा राष्ट्रपति की सहमति के बाद ये पुराने कानूनों की जगह ले लेंगे।

सबसे बड़ी बात यह है कि भारतीय दंड संहिता को अब भारतीय न्याय संहिता कहा जाएगा। मंशा यह है कि दंडित करने के बजाय लोगों को न्याय देने के प्रति हमारा ज्यादा ध्यान होना चाहिए। साक्ष्य से जुड़े कानून में वैज्ञानिक पद्धतियों को सुसंगत बनाते हुए भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से नया कलेवर दिया गया है। आम नागरिक की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए दंड प्रक्रिया संहिता में व्यापक सुधार के बाद नए कानून का नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता होगा। इन कानूनों का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को न्याय मुहैया कराना है। चूंकि फौजदारी कानून जनता के मन में न्याय बोध पैदा करने का सबसे सशक्त माध्यम है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि जरूरत के मुताबिक, उसमें सुधार करे। इनमें संशोधन के सुझाव तो पहले भी आए थे, किंतु मूर्त रूप नहीं ले सके थे। मसलन, सन् 1971 में विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में इनमें व्यापक सुधारों का प्रस्ताव किया था। उनके लिए सन् 1972 तथा उसके बाद 1978 में विधेयक भी पेश किया गया था, किंतु दोनों बार लोकसभा के भंग हो जाने से वह स्वत: समाप्त हो गया। फिर 2003 में मलिमथ समिति ने भी कुछ सुधारों का प्रस्ताव किया था। उसमें से कुछ को कानून बनाकर जोड़ा भी गया, किंतु वह पैबंद के रूप में ही रहा।

नए कानूनों को न्याय की दिशा में बहुत बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। आम आदमी की पहली मांग यही होती है कि पुलिस या कोई दूसरी एजेंसी उसको बेजा परेशान न करे और दूसरी यह कि उसे समय से न्याय मिल जाए। इन विधेयकों में इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पहले से बेहतर व्यवस्था की गई है। पुलिस की मनमानी रोकने के लिए पर्याप्त उपाय किए गए हैं तथा अदालतों में भी सुनवाई व विचार के लिए समयबद्ध कार्यक्रम तय कर दिया गया है।

आम लोगों की सबसे बड़ी शिकायत थाने में एफआईआर दर्ज करने और पुलिस के रवैये को लेकर रहती है। इसे सुधारने का प्रयास किया गया है। संज्ञेय अपराधों की सूचना अब मौखिक, लिखित या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दी जा सकेगी। थाने में इसे दर्ज किया जाएगा, जिस पर सूचना देने वाले व्यक्ति को तीन दिन के अंदर हस्ताक्षर करना होगा। इसका मतलब यह हुआ कि गिरफ्तारी के मामलों में पुलिस की मनमानी से निजात मिलेगी। रिपोर्ट दर्ज करने में होने वाली हीला-हवाली दूर करने के लिए भी यह व्यवस्था की गई है। अब कहीं से भी ई-मेल से किसी अपराध की सूचना किसी थाने में दर्ज कराई जा सकेगी। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामले में यह साफ तौर पर कहा गया है कि पीड़िता के बयान को केवल महिला अधिकारी द्वारा ही दर्ज किया जाएगा।

आम आदमी की दूसरी शिकायत पुलिस के व्यवहार को लेकर रहती है। बगैर लिखा-पढ़ी लोगों को थाने में बैठा लेने और उनके निकट संबंधियों को जानकारी नहीं देने तथा उनके साथ मानवीय व्यवहार न करने की शिकायतें आम हैं। अब गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी का नाम, उसकी पहचान तथा उसका नंबर उसकी वर्दी पर ऐसी जगह लिखा होना चाहिए, जहां उसे आसानी से पढ़ा और देखा जा सके। गिरफ्तारी के समय एक अभिलेख तैयार किया जाएगा, जिसे मौजूद गवाहों द्वारा सत्यापित किया जाएगा। गवाहों में कम से कम एक व्यक्ति गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति के घर का सदस्य या मित्र या समाज का कोई सम्मानित व्यक्ति अवश्य होना चाहिए। यदि ऐसा कोई व्यक्ति उपलब्ध नहीं है, तो गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति द्वारा उस व्यक्ति का नाम दिया जा सकेगा, जिसे उसकी गिरफ्तारी की सूचना दी जानी हो। गिरफ्तार व्यक्ति को पूछताछ के दौरान अपने वकीलों से भी मिलने का अधिकार होगा। अब तीन वर्ष से कम सजा वाले मामलों में गिरफ्तारी से पहले वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की अनुमति लेनी होगी तथा तीन से सात वर्षों तक की सजा वाले अपराधों में भी अभियुक्त को गिरफ्तार करने से पहले प्रारंभिक जांच से यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा कि अपराध किया गया है।

अदालतों में होने वाली देरी को कम करने के लिए भी इस विधेयक में पुलिस व अदालतों के लिए समय-सीमा तय कर दी गई है। अब पुलिस के पास किसी भी मामले की जांच के लिए अधिकतम 180 दिनों का समय होगा। उसके बाद अदालत को 60 दिनों का समय दिया गया है, जिसमें अभियोग तय करने की कार्यवाही की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत को 30 दिन के अंदर ही फैसला देना होगा, जिसे सात दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

लोक सेवकों से जुड़े अपराध के मामले में जहां मुकदमा चलाने के लिए विभागीय अनुमति की जरूरत है, वहां निर्णय लेने वाले अधिकारी को 120 दिनों के अंदर ही उस पर निर्णय लेना होगा, यदि इस समय-सीमा में कोई निर्णय नहीं लिया जाता है, तो इसके बाद यह मान लिया जाएगा कि अनुमति दे दी गई है और मुकदमा चलाया जा सकता है। वैसे दुष्कर्म व महिलाओं के विरुद्ध होने वाले कुछ अपराधों तथा मानव तस्करी जैसे मामलों में किसी प्रकार की अनुमति की जरूरत नहीं होगी।

सजा के मामले में भी एक ऐतिहासिक पहल की गई है। सामुदायिक सेवा को भी कुछ मामलों में सजा के रूप में मान्यता दी गई है। इससे भावावेश में अपराध करने वाले लोगों को पश्चाताप और मुख्यधारा में ही बने रहने का विकल्प उपलब्ध रहेगा। मतलब, देश अब सकारात्मक सजा की ओर बढ़ चला है। कानून के इन अच्छे प्रावधानों का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए पूरी ईमानदारी और उदारता की जरूरत पड़ेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बाजार के दौर में साहित्य और शहर दर शहर उसके उत्सव

बद्री नारायण, निदेशक, जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान

समाज में इन दिनों साहित्य की चर्चा जोरों पर है। तमाम भाषाओं में साहित्य अकादेमी सम्मानों की घोषणा से यह हलचल अस्वाभाविक नहीं। क्या इस अवसर पर यह सोचा जा सकता है कि साहित्य के बिना समाज कैसा होता? निस्संदेह, साहित्य के बिना समाज असंभव है। अगर कहीं और कभी यह संभव भी होता, तो बिना डाढ़-पात के ठूंठ वृक्ष की तरह होता। 'साहित्य' भाव ही समाज को जोड़ता है। इसका एक महत्वपूर्ण काम अपने पाठकों में प्रेम, दया, करुणा जैसे मानवीय भावों को जगाना, उनको सक्रिय करना और बेहतर मानुष बनाने व बनाए रखने में मदद करना है। इस अर्थ में साहित्य अपने स्वयं का अध्यात्म रचता है और उससे लोगों के हृदय में परिवर्तन भी होता है। समाज में साहित्य लंबे समय तक मौखिक परंपरा के रूप में रहा है। धीरे-धीरे उसने लिखित होकर मैन्युस्क्रिरप्ट, यानी पांडुलिपि का रूप लिया। फिर प्रिंटिंग प्रेस के आने के बाद तो किताबों, पत्रिकाओं, अखबारों के माध्यम से अपना आकाश रचने लगा। बाद में, जब वर्चुअल दुनिया का विकास हुआ, तो यह ऑडियो, वीडियो का आकार लेकर साइबर स्पेस के माध्यम से हमारे मनो-मस्तिष्क में फैल रहा है।

भारत में साहित्य सम्मेलनों, कवि सम्मेलनों, साहित्यिक पत्रिकाओं के जरिये साहित्य का 'स्फेयर' लगातार सक्रिय रहा है। इधर एक नया परिवर्तन यह देखने को मिला है कि एक तरफ गोष्ठियों और साहित्य सम्मेलनों की परंपरा थोड़ी कमजोर हुई है, तो दूसरी तरफ 'लिट्फेस्ट' का एक नया दौर शुरू हुआ है। 'लिट्फेस्ट', यानी 'लिटरेरी फेस्टिवल' अर्थात साहित्योत्सव! ये लिटफेस्ट कई बार हमें गंभीर विमर्शों से जोड़ते हैं और कई बार अपने प्रिय लेखकों से मिलने का मौका देते हैं। पुस्तक-परिचर्चा का पुराना चलन अब पुस्तकों पर 'पैनल-डिस्कसन' के रूप में आने लगा है। लिटफेस्ट की यह

परंपरा पश्चिमी देशों, दक्षिण अमेरिकी देशों व अफ्रीकी देशों में तो काफी पहले से चली आ रही है, भारत की विमर्श-संस्कृति में यह आज जिस रूप में है, उस रूप में 90 के दशक के बाद का फेनोमेना है।

साहित्यिक लोकवृत्त (पब्लिक स्फेयर) का गोष्ठी से चलकर उत्सव में बदलने की प्रक्रिया अत्यंत रोचक है। इस नई लिटफेस्ट संस्कृति का अपना समाजशास्त्र व आर्थिकी है। कई जगह तो ये साहित्य उत्सव क्षेत्रीय और स्थानीय अस्मिताओं के प्रदर्शन का माध्यम भी बनते दिखते हैं। शहर में हो रहे हैं, तो शहर की अस्मिता, और क्षेत्र में हो रहे हैं, तो क्षेत्र की अस्मिता, भाषा की अस्मिता, जेंडर की अस्मिता- सब आज इन लिटफेस्ट संस्कृति में मुखरित हो रही हैं। कई जगह तो महिलाओं के अलग लिटफेस्ट भी होने लगे हैं। कुछ जगह दलित लिटफेस्ट और आदिवासी लिटफेस्ट की आवाजें भी आने लगी हैं।

बाजार को साहित्य भी चाहिए और अस्मिताओं की ब्रांडिंग भी। नव-उदारवादी अर्थव्यवस्था के बाद उभरा बाजार वह है, जिसके लिए कभी कहा गया था- मायापुर बजरिया में सब कुछ बिकानी। तो इस दौर में साहित्य भी बाजार का हिस्सा है। मैं यहां बाजार, बिक्री की संस्कृति, मार्केट-प्लेस जैसे प्रत्ययों को गलत-सही के बाड़े में नहीं रख रहा हूं, बल्कि उस प्रक्रिया का विश्लेषण कर रहा हूं, जिसमें लिटफेस्ट संस्कृति विकसित हो रही है। दिसंबर से मार्च तक हर साल इतने साहित्यिक उत्सवों का होना सुखद भी है और रोचक भी।

कई साहित्योत्सवों में लेखक या लेखकनुमा राजनेता आते हैं, किंतु अनेक में गायक, नर्तक, फिल्म अभिनेता-अभिनेत्रियों को भी बुलाया जाता है। कई बार तो इन कलाकारों के पीछे भागने वाली भीड़ और उनके साथ चलने वाले 'बाउंसर्स' साहित्यकारों को धकियाते हुए आगे बढ़ जाते हैं। डर यही है कि जब साहित्य की प्रतीकात्मक विश्वसनीयता का चरम दोहन करके बाजार अपने में मिला लेगा या वह अपने लेखक, इतिहासकार, पत्रकार खुद विकसित कर लेगा, तब मुख्यधारा के साहित्यकार के रूप में जिनकी विश्वसनीयता है, कहीं उन्हें हाशिये पर न धकेल दिया जाए! ऐसे में, शायद हमें फिर किसी कबीर, रविदास या भीमा भोई की जरूरत होगी, जिन्होंने अपने समय के बाजार को ही धकिया दिया था। वह बाजार, जो चाहे माया का बाजार हो, शक्ति का बाजार या फिर महाजनों का बाजार!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पहाड़ों के संरक्षण से ही थमेगा पर्यावरणीय संकट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

कॉप सम्मेलनों के दौरान शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा कि एक महत्वपूर्ण मंच से किसी संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हिमालय को केन्द्र में लाकर रख दिया हो। दो दिसम्बर, 2023 में कॉप-28 की दुबई में लगभग शुरुआत में ही एक आयोजन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ऐसा कर दिखाया। उन्होंने चिंता के स्वरों के साथ कहा था कि जोखिम के प्रति संवेदनशील पर्वतीय देश वह संकट झेल रहे हैं जो उनके किये के कारण नहीं है। हिमालयी पर्वत सहायता के लिये चीत्कार कर रहे हैं। कॉप-28 को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हिमालयी ग्लेशियर इतनी तेजी से पिघल रहे हैं कि डर है कि वहां सारे ग्लेशियर खत्म न हो जायें। हिमालयी पहाड़ बर्फ विहीन हो रहे हैं। यदि हम राह नहीं बदलेंगे तो भयंकर त्रासदी ले आयेंगे। ग्लेशियर लुप्तप्राय होने से गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र में पानी कम हो सकता है। इससे 2500 लाख लोगों पर असर पड़ेगा। अक्टूबर, 2023 में नेपाल भ्रमण के अनुभवों का उल्लेख करते हुये महासचिव का कहना था कि नेपाल ने पिछले तीस सालों में एक-तिहाई बर्फ खोने की बात भी कही जिससे वहां स्थानीय समुदायों के जीवन पर असर पड़ा है।

निस्संदेह, आज तेजी से गर्म होती पृथ्वी में जैव विविधता के साथ-साथ ग्लेशियर भी हमारा साथ छोड़ते जा रहे हैं। हजारों साल पहले तक ग्लेशियर कई महाद्वीपों के भूभागों में विस्तार लिये थे। ये सिकुड़ते गये व अब विश्व के दस प्रतिशत क्षेत्र में हैं। भारी-भरकम ग्लेशियर लम्बाई-चौड़ाई में सैकड़ों किलोमीटर परिमाप और मोटाई में 70 से 100 मीटर से तीन-चार किलोमीटर तक परिमाप के भी हो सकते हैं। विश्व के जल भंडार सारे वैश्विक ग्लेशियर यदि पिघल जायें तो सागर स्तरों में लगभग 230 फीट की बढ़ोतरी हो जायेगी।

ग्लेशियर तो स्वत: भी पिघलेंगे ही। तभी तो विश्व की ऐसी हिमपोषित नदियां अस्तित्व में आती हैं जो कम बरसातों में भी सदानीरा रहती हैं। किन्तु इक्कीसवीं सदी की शुरुआत से ही हिमालयी ग्लशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है। ये हर साल करीब-करीब आधा मीटर की मोटाई खो रहे हैं। इससे नदियों पर, जैव विविधता पर व जलवायु पर असर पड़ रहा है। यदि ग्लेशियर ही न रहेंगे तो उनसे निकली नदियां भी कहां रह पायेंगी। किन्तु ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से भविष्य में जल के संकट व बाढ़ों की संभावनाएं भी गहरा जाती हैं। इनमें खतरनाक ग्लेशियल झीलें भी बन जाती है। जिनके टूटने से तबाहियां आती रही हैं। उत्तराखंड में भी लगभग 486 ग्लेशियल झीलें हैं जिनमें से 13 बेहद जोखिम वाले हैं।

दुनियाभर में तीस हजार वर्गमील ग्लेशियर तापमान की वैश्विक समस्या झेल रहे हैं। साल 2018 में बंगलुरु के जलवायु बदलाव पर काम करने वाले एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। वहां सर्दियां भी लगातार गर्म हो रही हैं। अमेरिका की एक एजेंसी तो पूरे हिंदु कुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरों से सालों पहले आगाह कर चुकी थी।

हैरानीजनक है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव जैसी चिंताएं सितंबर, 2023 जी-20 के दिल्ली शिखर सम्मेलन के जलवायु और पर्यावरण से संबंधित घोषणा पत्र में कहीं नहीं उभरीं। हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते तापक्रम से भारी उथल-पुथल से गलते ग्लेशियर व उनसे आती बाढ़ों जैसे संकटों की चिंता हिंदु कुश हिमालयी देश चीन व भारत में तो होनी ही चाहिये थी। कटु यथार्थ तो यह है कि हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्र के देश भारत में 70 प्रतिशत से ज्यादा बिजली उत्पादन कोयले से हो रहा है और निकट भविष्य में भी होता रहेगा। चीन भी कोयले का और अधिक उपयोग कर रहा है। इन देशों में बिजली उत्पादन, औद्योगीकरण, परिवहन, पर्यटन, तीर्थाटन के नाम पर ग्लेशियर क्षेत्रों तक मानवीय भीड़ व गतिविधियां भी पहुंची हैं। बता दें कि 7 फरवरी, 2021 को चमोली जिले में रैणी व तपोवन क्षेत्र में हुए जल प्रलय का कारण अप्रत्याशित रूप से ग्लेशियर विखंडन व ग्लेशियल झील फटने से जुड़ी दुर्घटना ही थी। केदारनाथ में 2013 की त्रासदी में भी ग्लेशियल लेक बाढ़ बहाव की भूमिका थी।

पवित्र चार धाम श्री बदरीनाथ, श्री केदारनाथ, श्री गंगोत्री व श्री यमुनोत्री धाम जो ग्लेशियरों के अंचल क्षेत्र हैं, वहां सीमित समय में हर धाम में लाखों श्रद्धावान पहुंच रहे हैं। हजारों वाहनों की हजारों ट्रिप हो रही हैं। आकाशीय परिवहन भी बढ़ रहा है। यहां सीमेंट-सरिया से निर्माण भी बढ़ा है। श्री बदरीनाथ धाम के पास सतोपंथ ग्लेशियर है। यमुनोत्री ग्लेशियर भी यमुनोत्री से लगभग दस किमी पर है। गंगोत्री ग्लेशियर का गोमुख भी बीते दशक में करीब 300 मीटर पीछे खिसक गया है।

भारत को अपने ग्लशियरों को बचाना चाहिये। ऐसे आर्थिक लोभ की गतिविधियों से भी बचना चाहिये जिससे हिमालयी ग्लेशियरों पर संकट आये। बाहर की भीड़ को वहां ग्लेशियरों पर संकट न पैदा करने दीजिये। इससे प्रदूषक कार्बन गैसें, ग्रीन हाउस गैसें वहां पहुंच रही हैं। इनसे ग्लेशियरों में उष्मीय ऊर्जा भी कैद हो रही है। ग्लेशियर्स की सेहत के लिए बर्फ पर कम से कम गतिविधियां हों। उनके आसपास वेडिंग डेस्टिनेशन और ज्यादा

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

विकसित भारत संकल्प यात्रा में उज्जवला योजना से लाभान्वित हो रहे हैं हितग्राही

सूरजपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए खाद्य अधिकारी विजय किरन ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत चलने वाला रथ जिले के जिस-जिस कार्यक्रम स्थल पर पहुंच रहा है, वहां उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन के लिये आवेदन लिए जा रहे हैं। उन्होंने वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए जानकारी दी कि अब तक की स्थिति में शिविर में विभाग द्वारा 346 गैस कनेक्शन का वितरण किया जा चुका है। जिसमें सूरजपुर और रामानुजनगर ब्लॉक के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 106 और 124 गैस कनेक्शन हितग्राहियों को वितरित किये गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर में उज्ज्वला योजना के तहत दिये जा रहे हैं गैस कनेक्शन में राज्य स्तर पर सूरजपुर जिले का स्थान दूसरा है।

पीएम जनमन अभियान के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्यों को मिलेगा पक्का आवास

गरियाबंद। केंद्र सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान एवं उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए संचालित प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान अंतर्गत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्य भी लाभान्वित होंगे। योजना का उद्देश्य पीवीटीजी परिवारों तक बिजली, पानी, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। साथ ही उनके बस्तियों तक सड़क, दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थाई आजीविका के अवसर भी विकसित करना है। इसी तारतम्य में पीएम जनमन योजना अंतर्गत गरियाबंद जिले के 4 विकासखंडों के 250 गांव में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्य लक्षित किए गए है। लक्षित परिवारों को पक्के मकान का लाभ दिया जायेगा। हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए 3 किश्तों में राशि दिया जाएगा। योजना अंतर्गत 2 लाख रुपए आवास हेतु, शौचालय के लिए 12 हजार रुपए और मनरेगा से 90-95 मानव दिवस का भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार कुल 2 लाख 39 हजार रुपए इकाई लागत से प्रत्येक हितग्राही लाभान्वित होंगे।

अनुपूरक बजट मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में हमारी सरकार का पहला कदम : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 12,992 करोड़ रूपए से अधिक राशि का द्वितीय अनुपूरक बजट पारित

किसी गरीब परिवार का चूल्हा अब नहीं बुझेगा, सबको अपना पक्का मकान मिलेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 12,992 करोड़ 70 लाख 98 हजार 800 रूपए का द्वितीय अनुपूरक बजट ध्वनि मत से पारित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सदन में चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हमारे घोषणा पत्र में जनता से किए गए वायदों को पूरा करने की शुरूआत, हम इस अनुपूरक बजट के माध्यम से करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष की उम्र में मेरे सिर से पिता का साया उठ गया था, लेकिन मैं प्रदेश के युवाओं को यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं एक पिता और एक पालक के रूप में आपकी बेहतरी के लिए सदैव काम करता रहूंगा।

प्रदेश की बहनों की सुरक्षा-समृद्धि के लिए एक भाई की तरह तत्पर रहूंगा। अपने पुत्र धर्म का निर्वाह करते हुए प्रदेश के सभी बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं सुविधाओं के लिए सदैव प्रयासरत रहूंगा। मैं छत्तीसगढ़ के हर नागरिक की बेहतरी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने में कभी पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता से प्राप्त अभूतपूर्व समर्थन के लिए आम जनता का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है और मुझे छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री की शपथ लिए मुझे कुछ घंटे हुए थे लेकिन मोदी जी की गारंटी का क्रियान्वयन की शुरूआत करने के लिए हमने एक पल की भी देरी नहीं की। क्योंकि मोदी जी की गारंटी का मतलब होता है गारंटी पूरा होने की गारंटी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछली सरकार ने 1 लाख 21 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक का बजट पेश किया था, योजनाओं को लेकर बड़ी-बड़ी बातें की गई, लेकिन सरकार ने राजस्व प्राप्तियों के ठोस प्रयास नहीं किए। परिणाम यह रहा कि पांच वर्षों में पिछली सरकार ने खर्चों की पूर्ति के लिए बेतहाशा कर्ज लिया। 15 वर्ष के शासन काल के बाद जब हमने खजाना सौंपा, तो वर्ष 2018 में राज्य पर 41 हजार 695 करोड़ का कुल कर्ज था। मात्र पांच साल की अवधि में कर्ज की यह राशि बढ़कर 91,533 करोड़ रूपए हो गई। इस तरह पांच साल में 50 हजार करोड़ रूपए का कर्ज लेने का काम पिछली सरकार किया। ऐसी विषम वित्तीय स्थिति में खजाना मिलने के बावजूद हमारी सरकार मोदी की गारंटी के प्रत्येक वचन को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मैं गरीब परिवार से आता हूं। गरीब के दर्द को समझता हूं। एक गरीब का सबसे बड़ा सपना होता है अपना स्वयं का मकान। खुले आसमान के नीचे अथवा कच्चे मकान में जब चूल्हे जलते हैं, तो हवा और बारिश की बूंदों से कई बार चूल्हे की आग बुझ जाती है और गरीब भूखे पेट सोने के लिए विवश हो जाते हैं। जन-जन के नायक मोदी जी का संकल्प है कि किसी गरीब परिवार का चूल्हा अब नहीं बुझेगा, सबको अपना पक्का मकान मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार के संबंध में कहा कि आपने अपने 2018 के अपने जन घोषणा पत्र में ग्रामीण और शहरी आवास देने का वायदा किया था, लेकिन आपने लोगों को आवास देने के बदले, केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना में मिलने वाले आवासों का लाभ भी छीन लिया। अधिकांश राज्यों ने स्थाई प्रतीक्षा सूची के अतिरिक्त आवास प्लस सूची में सम्मिलित परिवारों को भी आवास स्वीकृत किया, लेकिन आपने कोई कार्यवाही नहीं की।

आपकी सरकार की उदासीनता से स्थाई प्रतीक्षा सूची के 7 लाख 82 हजार ग्रामीण आवासों की स्वीकृति में प्रगति लाने के लिए केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखने के लिए विवश होना पड़ा। आपकी सरकार के मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। जिन्हें आवास नहीं मिले वे आवास से वंचित हैं। जिनको मिला ओ आधा-अधूरा है। एक किश्त से मकान बनाना शुरू कर चुके ग्रामीण कर्ज लेकर मकान पूरा कर रहे हैं।

25 को राष्ट्रीय सुशासन दिवस पर किसानों को 3716 करोड़ का होगा बोनस भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर छत्तीसगढ़ सरकार ने तेजी से अमल करना शुरू कर दिया है। राज्य के 18 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति तथा किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की 3100 रूपए में खरीदी के वादे पर अमल के बाद अब किसानों को दो साल का बकाया बोनस का भुगतान किए जाने की तैयारी जोरों से शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती राष्ट्रीय सुशासन दिवस के अवसर पर हम राज्य के किसानों को खरीफ विपणन वर्ष 2014-15 एवं वर्ष 2015-16 की बकाया धान की बोनस राशि 3716 करोड़ 38 लाख 96 हजार रूपए का भुगतान करेंगे।

गौरतलब है कि मोदी की गारंटी के रूप में राज्य के किसानों को दो वर्ष के बकाया भुगतान का वादा सरकार ने राज्य के किसानों से किया था। इस वादे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री साय के निर्देश के परिपालन में कृषि विभाग द्वारा तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई है। कृषि विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत किसानों से उक्त दोनों वर्षों में समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के एवज में प्रति क्विंटल के मान से 300 रूपए की दर से बोनस (धान उपार्जन प्रोत्साहन योजना) का भुगतान किया जाएगा। बोनस राशि के भुगतान का कार्यक्रम राज्य स्तर से लेकर विकासखंड स्तर पर 25 दिसंबर को किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसान भाईयों से संवाद करेंगे। विकासखंड स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों द्वारा हितग्राही किसानों को धान उत्पादन प्रोत्साहन राशि का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा की पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अविभाजित मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा की पुण्यतिथि पर आज दुर्ग में शिवनाथ तट पर स्थित समाधि स्थल पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और नागरिकों, सामाजिक संगठनों ने बाबूजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर बाबूजी के जीवन से जुड़ी स्मृतियों का स्मरण किया गया।

बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने कहा कि पत्रकारिता से राजनीति में प्रवेश करने वाले मोतीलाल वोरा की कर्मठता के सभी कायल रहे। मुख्यमंत्री, राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री जैसे बड़े ओहदों पर रहते हुए भी वे सुबह से देर रात तक लगातार जनसेवा से जुड़े कार्य करते थे। उनकी कर्मठता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे रोज सुबह से आधी रात के बाद तक तक काम करते थे।

देर रात-दो तीन बजे भी लोग उनसे आसानी से मिल सकते थे और बाबूजी तत्परता से देर रात तक लोगों के काम किया करते थे। उन्होंने हमेशा यही नसीहत दी है कि हमेशा जनसेवा का काम पूरी जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

श्रध्दांजलि कार्यक्रम के दौरान भजन गूंजते रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में श्रद्धेय मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी शांति वोरा, उनके पुत्र अरविंद वोरा, पूर्व विधायक अरुण वोरा, राजीव वोरा, सुमीत वोरा, संदीप वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल, अब्दुल गनी, दीपक साहू, हमीद खोखर, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, सुशील भारद्वाज, अनूप वर्मा, अलताफ अहमद, अमृत जैन, राजेश शर्मा, सत्यवती वर्मा, श्रद्धा सोनी, लीना दुबे, इंदरपाल भाटिया, आनंद कपूर ताम्रकार, राजेश शर्मा, नंदू महोबिया, ललित ढीमर, राजकुमार साहू, मनीष सोनवाने, विल्सन डिसूज़ा, राहुल शर्मा, तिलक राजपूत, कमलेश नगारची, त्रिशरण डोंगरे, देव सिन्हा, सतीश पांडेय, पप्पू श्रीवास्तव, राहुल अग्रवाल, लिखन साहू, मधुकेश तिवारी, विष्णु निषाद, अशोक मेहरा, दुष्यंत देवांगन, नासिर खोखर, मनदीप भाटिया, परमजीत सिंह भुई, राजकुमार वर्मा, गौरव उमरे, बसंत खिलाड़ी, विक्की यादव, शिवाकांत तिवारी नगर निगम के पार्षदगण व सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

जिला चिकित्सालय में ओडोंटोजेनिक केराटोसिस्ट की हुई सफल सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई निवासी 14 वर्षीय पूर्वेंद्र कुमार एक दुर्लभ बीमारी ओडोंटोजेनिक केराटोसिस्ट से ग्रसित था। मरीज को पिछले 2 महीने से ऊपरी जबड़े के दांई तरफ सूजन थी। बच्चा जन्म से ही क्लैफ्ट लिप एवं क्लैफ्ट पैलेट नामक बीमारी से ग्रसित था।

सी टी स्कैन की रिपोर्ट से दांई मैक्सिलरी साइनस में एक बड़ी सिस्ट/ थैली का अनुमान लगाया गया उसके बाद पूर्वेंद्र का इलाज शुरू किया गया। ऑपरेशन के पहले एफ एन. ए. सी. एवं इंसीजनल बायोप्सी की गई जिसमे भी सिस्ट का ही अनुमान लगाया गया। रिपोर्ट आने के बाद पूर्वेंद्र का ऑपरेशन किया गया और सिस्ट निकाला गया जिसे बायोप्सी के लिए भेजा गया जिसमे ओडोंटोजेनिक केराटोसिस्ट की पुष्टि की गई। ओडोंटोजेनिक केराटोक्स्ट एक दुर्लभ सिस्ट है जो स्थानीय रूप से आक्रामक है और बार बार होने का खतरा बना रहता है।

सिस्ट निकलने के बाद 5 फ्लोरो यूरेसिल का पैक डाला गया जिसे 24 घंटे बाद निकाला गया जिससे सिस्ट की दुबारा होने की संभावना कम हो जाती है। यह ऑपरेशन जिला अस्पताल दुर्ग में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. संजय वालवेंद्र ,मैक्सिलो फेशियल सर्जन डॉ. कामिनी डडसेना ने किया। डेंटल सर्जन डॉ. शिवांशी अग्निहोत्री ने सर्जरी में सहयोग किया। स्टाफ नर्स शिबेन दानी, रमेश, शाइनी चेरियन, भागीरथी ने भी अहम भूमिका निभाई।

हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा अंर्तमहाविद्यालयीन युवा उत्सव प्रतियोगिता का चौथा दिन

कत्थक, भरतनाटयम, पंथी तथा राउतनाचा की मनमोहक प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आज 21 दिसंबर को अंर्तमहाविद्यालयीन युवा उत्सव प्रतियोगिता 2023 के चैथे दिन कृष्णा कॉलेज, ऑफ आर्ट्स एवं कॉमर्स भिलाई की मेजबानी में केपीएस स्कूल, नेहरू नगर के नटराज ऑडिटोरियम में एकल शास्त्रीय नृत्य तथा समूह लोकनृत्य/जनजाति नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता की एकल एवं समूह नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्षकों की खूब तालिया बटोरी। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने बताया कि विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा तथा कृष्णा एजुकेषन सोसायटी के अध्यक्ष, डॉ. एम. एम. त्रिपाठी, आनंद त्रिपाठी, बी. एन. पांडे तथा कृष्णा महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. वाई. आर. कटरे एवं विष्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव, डॉ. सुमीत अग्रवाल की उपस्थिति में दीप प्रज्जवलन के साथ आरंभ हुई प्रतियोगिता में एकल नृत्य में 05 तथा समूह नृत्य में 20 से अधिक महाविद्यालय की टीमों ने हिस्सा लिया। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि परंम्परागत पोषाक में 05 छात्राओं ने कत्थक एवं भरतनाटयम् नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। संगतकारों द्वारा किये गये गायन एवं वादन की सभी ने प्रषंसा की। समूह लोकनृत्य/ जनजातिनृत्य में पंथी, कर्मा, राउतनाचा की छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुति के दौरान समूचा नटराज हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। राउतनाचा के दौरान प्रस्तुत दोहे एवं पंथी नृत्य के दौरान बाबा घांसीदास की स्तुति ने दर्षकों को प्रभावित किया।

डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार उक्त दोनों प्रतियोगिताओं के विजेता प्रथम स्थान प्राप्त टीमें 22 से 26 फरवरी तक मैसूर में आयोजित होने वाली साउथ ईस्ट जोनल युवा उत्सव प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

22 दिसंबर को युवा उत्सव के अंतिम दिन शासकीय वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में ऑन द स्पॉट पेंटिंग, कोलाज मेकिंग तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित होगी। पोस्टर एवं कोलाज प्रतियोगिताओं का विषय विकसित छत्तीसगढ़ विकसित भारत 2047 रखा गया है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अग्रसेन धाम चौक से लाभांडी के बीच बनेगी सर्विस लेन, ताकि लोग रांग साइड न आएं और हादसों से बचें

रायपुर (ए)। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने करीब दो साल पहले सर्वे कर राजधानी और आउटर की ऐसी सड़कों की पहचान की थी जहां हादसे ज्यादा होते हैं। अब ऐसी सड़कों पर 34 करोड़ खर्च किए जाने का निर्णय लिया गया है। नए साल में इन सभी सड़कों पर काम शुरू कर सर्वे के हिसाब से नए निर्माण और डिजाइन में बदलाव किया जाएगा। इसी के तहत मंदिरहसौद में 800 मीटर का फ्लाईओवर और जीईरोड पर 36 मॉल के आगे अग्रसेन धाम चौक से लाभांडी तक सर्विस लेन का निर्माण किया जाएगा।

सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि अग्रसेन धाम से लाभांडी चौक तक सर्विस रोड नहीं होने की वजह से कई बार एक लेन की गाड़ियां दूसरे लेन में आ जाती हैं। खासतौर पर रात में गाड़ियां तेज गति से आती है जिससे बैलेंस बिगड़ता है और हादसे हो जाते हैं। इसी तरह मंदिरहसौद चौक पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होने की वजह से डेंजर जोन बना हुआ है। चौक की चौड़ाई ज्यादा है और इसके दोनों ओर बड़े बड़े गांव हैं। एक ओर जहां जीई रोड के भारी वाहन तेज रफ्तार से चौराहे को पार करते हैं वहीं ग्रामीण इलाकों में रहने वाले भी तेजी से चौराहा पार करने की कोशिश करते हैं। इसी प्रयास में हादसे होते हैं। चौक की डिजाइन बदलने के साथ ही रोड इंजीनियरिंग की खामी को भी दूर करने का सुझाव दिया गया है। इसके साथ ही सर्वे रिपोर्ट के आधार पर चौराहे पर 800 मीटर लंबा फ्लाईओवर का काम चालू किया जाएगा।

स्ट्रीट लाइट की संख्या बढ़ेगी

नेशनल हाईवे के हादसों को कम करने 16 सड़कों की पहचान की गई है। अब इन सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की ओर जाने वाली सड़क, एयरपोर्ट जाने वाली वीआईपी रोड, टाटीबंध तिराहा से तेलीबांधा थाने की ओर जाने वाली सड़क के अलावा ऐसी सड़कें जो शहर के भीतर से होकर गुजरती हैं उनकी रोड इंजीनियरिंग की खामियों को दूर किया जाएगा। एनएचएआई ने इन सभी कामों को पूरा करने के लिए मार्च 2024 तक का समय तय किया है। अफसरों से भी कहा गया है कि वे तय समय में ही इन सभी कामों को पूरा कराएं।

अगले साल हज पर जाने के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की ओर से अगले साल हज पर जाने वाले लोग अब 15 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। पहले आवेदन करने की अंतिम तारीख 20 दिसंबर 2023 थी। केंद्रीय हज कमेटी की ओर से इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। कमेटी के अफसरों ने बताया कि आवेदन तारीख बढ़ने की वजह से अब वे सभी लोग आवेदन कर सकेंगे जो पिछली तारीख तक नहीं कर पाए थे। हज पर जाने वाले आवेदकों के पास 15 जनवरी 2024 या इसके पहले जारी किया हुआ या 31 जनवरी 2025 तक की अवधि तक वैध होना चाहिए। गौरतलब है कि हज कमेटी की ओर से हर साल करीब 500 लोग हज यात्रा पर जाते हैं। इन सभी का चयन ऑनलाइन लॉटरी से किया जाता है। आवेदन जमा होने के बाद लॉटरी निकाली जाएगी। इस संबंध में किसी भी तरह की जानकारी के लिए हज कमेटी के फोन नंबर 0771-4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

समृद्ध-सशक्त छत्तीसगढ़ बनाने हमारी सरकार कटिबद्ध, दिन-रात काम करेंगेः मुख्यमंत्री साय

अन्नदाता सुखी भवः के ध्येय वाक्य के साथ करेंगे काम, कहा छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी

छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का जो दायित्व जनता ने सौंपा, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समृद्ध-सशक्त छत्तीसगढ़ बनाने हमारी सरकार कटिबद्ध है। इसके लिए हम पूरी निष्ठा से रात-दिन काम करेंगे। छत्तीसगढ़ की जनता ने छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करने का जो दायित्व हमें सौंपा है। उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन के दौरान दिये संबोधन में यह बात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल महोदय द्वारा दिये गये भाषण के प्रति आभार जताया। साथ ही उन्होंने पक्ष और विपक्ष दोनों ओर के सदस्यों को धन्यवाद भी दिया। इसके साथ ही राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जनता ने ऐतिहासिक जनादेश दिया है। इससे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। जनता ने जो विश्वास हम पर किया है उसे पूरा करने हम कटिबद्ध हैं। हर पात्र परिवार को पक्का मकान देना, शौचालय सुविधा उपलब्ध कराना, उनके लिए स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं आम जनता की सुविधा के हर कार्य के लिए सरकार दिन-रात काम करेगी। छत्तीसगढ़ के अन्नदाता सुखी भवः के ध्येय वाक्य के साथ हम काम करेंगे। अन्नदाता की संतुष्टि का हम पूरा ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छठवीं विधानसभा का प्रथम सत्र कई मायने में महत्वपूर्ण है। विधानसभा में 50 नए विधायक और 19 महिला विधायक चुनकर आई हैं। हम वित्तीय प्रबंधन की बहाली कर वायदे पूरा करने के लक्ष्य का संघान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको आवास देने के सरोकार को हमने प्रथम कैबिनेट में ही पूरा किया है। 18 लाख आवास की घोषणा पहले ही कैबिनेट में की। यदि इस योजना को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाया गया होता तो आज छत्तीसगढ़ के 18 लाख परिवारों के सर पर छत होती। यह हो नहीं पाया क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री का नाम जुड़ा हुआ था, अतएव इस योजना का लाभ लोगों को नहीं दिया गया। जिन लोगों को आवास योजना की पहली किश्त मिल गई थी, उनका भी भरोसा तोड़ने का काम आपने किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से किये गये सभी वायदों को पूरा करने हम उचित कदम उठाएंगे। प्रदेश की जनता के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता को आज छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का अवसर जनता ने दिया है। पूरी निष्ठा के साथ इस दायित्व को निभाएंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के सुविख्यात कवि स्वर्गीय लक्ष्मण मस्तूरिया के गीत की पंक्तियों 'मोर संग चलव रे' को उद्यत करते हुए प्रदेश के विकास का संकल्प व्यक्त किया। सत्र के समापन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और नेता प्रतिपक्ष ने सत्र का सफल संचालन के लिए सभी के प्रति आभार जताया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्रवाई पूरी होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की। उन्होंने कहा कि विधानसभा का अगला सत्र फरवरी माह के प्रथम सप्ताह आहुत होने की संभावना है।

प्रदेश में अब तक 45.54 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी, 9.93 लाख किसानों ने बेचा धान

कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स द्वारा 25.76 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

किसानों को 11032 करोड़ रुपए का भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर 1 नवम्बर 2023 से धान खरीदी का महाभियान निरंतर जारी है। लगभग दो माह में अब तक राज्य के 9 लाख 93 हजार पंजीकृत किसानों से 45 लाख 54 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। किसानों की सहुलियत को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 2 हजार 739 धान उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। धान खरीदी के एवज में किसानों को भुगतान के लिए मार्कफेड द्वारा अपेक्स बैंक को अब तक कुल 11 हजार 032 करोड़ रूपए जारी किया गया है। राज्य सरकार द्वारा किसानों के सहुलियत को ध्यान में रखते हुए सुगमतापूर्वक धान खरीदी के निर्देश दिए गए हैं। धान उपार्जन केन्द्रों में निर्धारित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने को कहा गया है। खाद्य विभाग के अधिकारियों को धान खरीदी व्यवस्था का निरंतर निरीक्षण करने को भी कहा गया है।

राज्य शासन द्वारा इस वर्ष प्रदेश के किसानों से 130 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। इस खरीफ विपणन वर्ष में धान बेचने के लिए प्रदेश के 26.86 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है। इसमें कुल पंजीकृत रकबा 33.22 लाख हेक्टेयर है, वहीं 2.59 लाख नवीन किसानों ने पंजीयन कराया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक कुल धान खरीदी 45.54 लाख मीट्रिक टन धान में से 34.02 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 25.76 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज 21 दिसम्बर को लगभग 62 हजार किसानों से 2.60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। आज की धान खरीदी के लिए 78 हजार से अधिक टोकन जारी किए गए थे। इनमें टोकन तुंहर हाथ एप के तहत 30 हजार से अधिक टोकन ऑनलाइन जारी किए गए थे।

भारतीय किसान संघ ने किया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आत्मीय अभिनंदन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर 3100 रुपये प्रति क्विंटल, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का आदेश जारी होने से छत्तीसगढ़ के किसान खुशी से झूम उठे। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर अमल शुरू होने पर भारतीय किसान यूनियन छत्तीसगढ़ ने राज्य अतिथि गृह पहुना में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आत्मीय अभिनंदन करते हुए कहा कि किसानों को राज्य में किसान हितैषी सरकार के गठन की प्रतीक्षा थी। किसानों की सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय ने बहुत ही अल्प समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी गारंटियां पूरी कर दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित छत्तीसगढ़ राज्य की नई सरकार किसानों के भरोसे का सम्मान कर रही है।

इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री नवीन शेष, प्रदेश कार्यालय मंत्री दुर्गा पाल, महानगर प्रमुख विष्णु वर्मा, महानगर कार्यकारिणी सदस्य डॉ. बोधन साहू सहित पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अभिनंदन किया और राज्य की किसानों की ओर से उनका आभार जताया।

किसान क्रेडिट कार्ड से लिया ऋण, दूध के व्यवसाय से बदली किस्मत

सरकारी योजना का लाभ लेकर दूध के व्यवसाय से पाई आर्थिक सफलता

मेरी कहानी मेरी जुबानी में शंकर यादव ने बताई अपनी सफलता की कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पशुधन किसानों और उनकी आजीविका का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गायों का पालन एक किफायती और टिकाऊ पेशा हो सकता है, इसके उदाहरण है रायपुर जिले के शंकर यादव। पहले वह एक मजदूर थे और उन्हें आय के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। पशुधन विकास विभाग के सहयोग से आज वह एक सफल डेयरी किसान बन गए हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान जब शंकर ने ''मेरी कहानी मेरी जबानी'' के माध्यम से अपनी सफलता की कहानी लोगों को बताई तो शिविर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

रायपुर के तिल्दा ब्लॉक के तामासीवनी गांव में रहने वाले शंकर यादव ने केंद्र सरकार की योजना का लाभ उठाकर दूध का व्यवसाय शुरु कर आर्थिक सफलता हासिल की। शंकर गांव के एक सामान्य परिवार में रहते है जहां उनके परिवार में 5 सदस्य हैं। पहले उनके पास कुछ नहीं था और आय के लिए वह मजदूरी करते थे पर इससे उनकी आमदनी इतनी नही हो पाती थी की वह अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर सके। इसलिए वह दुग्ध सहकारी संघ में मजदूरी करने लगे और संघ में दूध पहुंचाने का काम शुरु किया। उन्हें वहां पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस काम के साथ वह अपना व्यवसाय भी शुरु कर और आर्थिक रुप से सशक्त हो सकते हैं।

शंकर बताते हैं कि अधिकारियों से उन्हें केंद्र सरकार के किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में पता चला। जहां उन्हें बताया गया कि इससे उन्हें लोन मिल सकता है। शंकर ने जानकारी प्राप्त कर अपना किसान क्रेडिट कार्ड बनवाया और लोन के लिए बैंक में आवेदन किया। आवश्यक दस्तावेज और लेन-देन में पारदर्शिता होने के कारण बैंक ने उनके लोन स्वीकार कर लिया और उन्हें 1 लाख 60 हजार रुपए का लोन उपलब्ध कराया। इस लोन की राशि ने शंकर के जीवन को बदलने में अहम भूमिका निभाई। राशि मिलने के बाद उन्होंने गाय खरीदी और पूरी लगन से पशुपालन में जुट गये और उनकी मेहनत ने एक अद्वितीय सफलता कहानी को जन्म दिया।

शुरुआत में गरीबी के बावजूद, उन्होंने पशधन विकास विभाग की मदद से नए दिशा में कदम बढ़ाया। वर्ष 2013 में कृषि ऋण के माध्यम से प्राप्त राशि ने उन्होंने उन्नत नस्ल की गाय खरीदी। उन्होंने इन गायों का पशुधन विकास विभाग के मार्गदर्शन में उनके चारे, टिके का ख्याल रखा और उनकी अच्छी देखभाल भी की। जिससे उन्हें गायों से अच्छी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला दूध प्राप्त होने लगा और व्यवसाय के दूसरे वर्ष में ही उन्हें लाभ होने लगा। उन्होंने एक वर्ष में अपने लोन की राशि का भुगतान कर दिया।

शंकर बताते है कि पशुधन विकास विभाग के कृत्रिम गर्भाधान का लाभ लेकर, उनका पशुपालन मजबूत हुआ साथ ही स्वस्थ बच्चें भी प्राप्त हुए। एक गाय से अपना व्यवसाय शुरु करने वाले शंकर की डेयरी में आज 8 दुधारु गाय है। इस सफलता के साथ, उन्होंने अपने गांव और समुदाय को भी प्रेरित किया और बताया कि मेहनत और सही दिशा में कदम बढ़ाने से कैसे सफलता मिलती है। शंकर लाल यादव सभी से कहते हैं कि पशुपालन को तन, मन और धन से कीजिए, क्योंकि यह आपका जीवन ही नहीं बल्कि आपके परिवार और समुदाय का भी सुधार कर सकता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

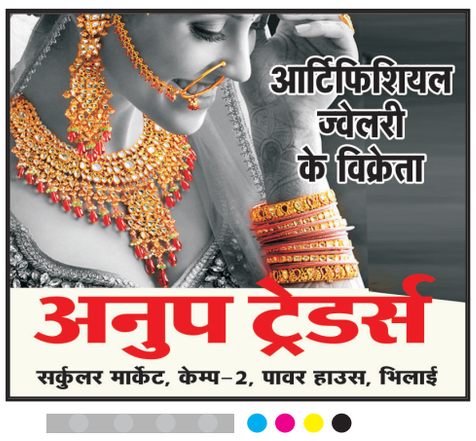

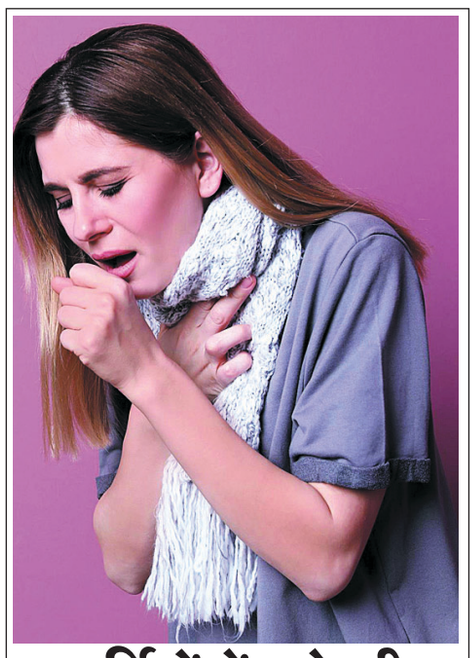

सर्दियों में गले की खराश से न हों परेशान, करें ये घरेलू उपाय

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बुखार, जुखाम के साथ गले में खराश की समस्या बढ़ जाती है। ये मौसम कई लोगों की सेहत पर भारी पड़ता है। बच्चों और बूढ़ों को सबसे ज्यादा इस मौसम में बीमारियों का खतरा रहता है। वजह है कि इस मौसम में लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) कमजोर हो जाती है। लेकिन कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे हैं जिनके चलते आप न केवल इन बीमारियों से निजात पा सकते हैं बल्कि आपको गले की खराश की समस्या का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। आइए जानते हैं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उस घरेलू उपायों के बारे में।।।

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध जुखाम और बुखार में तो असरदार होता ही है। साथ ही इसे पीने से गले की खराश भी जाती रहती है। इसमें ऐंटी-इनफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि खराश की वजह से होने वाले गले के दर्द में राहत रहती है।

पानी करें गरारा

गले की खराश से राहत के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है नमक के पानी का गरारा। गुनगुने नमकीन पानी से गरारा करने पर यह गले के फ्लूइड्स को सोख लेता है जिससे कि गले के दर्द में आराम महसूस होता है।

शहद है असरदार

शहद कई गुणों से भरपूर होता है। इसमें ऐंटी-ऑक्सिडेंट और ऐंटी-इनफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। गले की खराश से राहत के लिए आप हल्के गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर और 1 चम्मच शहद डालकर पी सकते हैं या आप इसे दूध के साथ भी ले सकते हैं।

वेट लॉस और हेल्थ के लिए अपनाएं डिटॉक्स वॉटर

पाचन में सुधार करने, वजन घटाने और बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए डिटॉक्स वॉटर का यूज किया जाता है। इससे ना केवल स्वस्थ रहने में मदद मिलती है बल्कि सुंदरता में भी निखार आता है। डिटॉक्स वॉटर हमारे शरीर से विषैले तत्वों को दूर करता है और पिंपल जैसी स्किन संबंधी दूसरी समस्याओं से मुक्ति दिलाता है। डिटॉक्स वॉटर को घर पर ही बनाया जा सकता है और इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। खास बात यह है कि डिटॉक्स वॉटर को अलग-अलग फ्लेवर में तैयार किया जा सकता है। यानी अगर आपको कोई खास फ्लेवर पसंद नहीं आ रहा है तो आप दूसरे फ्लेवर को तैयार कर सकते हैं। डिटॉक्स वॉटर सेब और दाल चीनी, संतरा और अदरक, तुलसी-लॉन्ग-इलायची और शहद जैसी चीजों से बनाया जा सकता है।

संतरे और अदरक का डिटॉक्स वॉटर

संतरे और अदरक से डिटॉक्स वॉटर बनाने के लिए आप आधे संतरे को छीलकर बीच से बारीक पीस में काट लें, अब एक इंच अदरक का टुकड़ा कद्दूकस करें और इन दोनों चीजों को 1 लीटर पानी में मिलाकर दो से तीन घंटे के लिए फ्रीज में रखें। इसके बाद छानकर इस पानी का उपयोग करें। यह आपके मूड को ठीक करने और बढ़ते वजन को नियंत्रित करने में मददगार है।

सेब और दालचीनी का डिटॉक्स वॉटर

अगर आपको संतरे के डिटॉक्स वॉटर का टेस्ट पसंद ना आए तो आप दालचीनी और सेब से डिटॉक्स वॉटर भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको दालचीनी का एक करीब 1 से डेढ़ इंच लंबा टुकड़ा रातभर के लिए करीब 1 लीटर पानी में भिगोकर रखना होगा। इसके बाद सुबह उठकर एक सेब को छीलकर बारीक-बारीक पीस में काटकर करीब आधा घंटे के लिए इन्हें दालचीनी के पानी में भिगो दें। इसके बाद आप इस पानी को छानकर इसका यूज कर सकते हैं। यह पानी कार्डियोवस्कुलर डिजीज का खतरा भी कम करता है।

इलायची-तुलसी-लॉन्ग का डिटॉक्स वॉटर

स्किन को सुंदर बनाने और बढ़ी हुई चर्बी को कम करने के लिए आप इलायची, तुलसी, लॉन्ग और शहद को मिलकार भी डिटॉक्स वॉटर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक लीटर पानी में 5 लॉन्ग और 5 इलायची डालकर रातभर छोड़ दें। सुबह इस पानी में तुलसी पत्ते डालकर इसे उबाल लें और ठंडा होने के बाद आप इसमें शहद मिक्स करके इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

येलो साड़ी में एक्ट्रेस शनाया कपूर ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर की लाडली शनाया कपूर पिछले कुछ समय से अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस पेन इंडिया फिल्म से अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, शनाया ने भी सोशल मीडिया के जरिए पहले ही लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाने में कामयाब होती दिख रही हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपने फोटोशूट से लोगों को दीवाना बनाती रहती हैं। शनाया कपूर ने अभी तक बॉलीवुड में डेब्यू नहीं किया है। उससे पहले ही उनकी फैन फोलोइंग काफी तगड़ी हो गई है। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस लगभग 2 मिलियन लोग फोलो करते हैं। वहीं शनाया भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करती है और अपने फोटोज और वीडियोज उनके साथ शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर शनाया कपूर ने कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने अपना नया फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर कर हर किसी का दिल जीत लिया। तस्वीरों में शनाया कपूर पीली शीफॉन साड़ी में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की साड़ी में नीले रंग के प्रिंट है। वहीं उन्होंने इसके साथ स्टाइशिल सितारों से जड़ा ब्लाउज कैरी किया है। सोशल मीडिया पर फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं। शनाया के लुक ने इंटरनेट का पार हाई कर दिया है। एक्ट्रेस एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं। फैंस को भी उनका ये अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। तभी तो जरा सी देर में फोटोज पर लाइक्स और कमेंट की बाढ़ सी आ गई है।

ब्रश करते वक्त उल्टी आना गंभीर बीमारी के हैं संकेत, डैमेज हो सकता है आपका ये ऑर्गन

आपके साथ भी कई बार ऐसा हुआ होगा कि ब्रश करने के दौरान मतली और उल्टी जैसा महसूस हुआ होगा। लेकिन अगर यह आपके साथ हमेशा हो रहा है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। हम इसलिए ऐसा कह रहे हैं कि क्योंकि यह शरीर में पित्त बढ़ने से लेकर और दूसरी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। ब्रश करने के दौरान उल्टी जैसा महसूस होना कई वजहों से हो सकता है। कई बार यह गैस और एसिडिटी के कारण होता है तो वहीं कभी-कभी अपच भी इसके पीछे का कारण है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक यह शरीर में पित्त बढ़ने के साथ-साथ लिवर से जुड़ी बीमारी के कारण भी हो सकता है। दरअसल, पेट में होने वाली गड़बड़ी को यह काफी ज्यादा प्रभावित करती है। जब खाना ठीक से नहीं पचता है तो पेट में बाइल जूस बनने लगता है और जिससे एसिड रिफ्लक्स होने लगता है। जिसके कारण मतली महसूस होता है। ऐसे में कई लोगों को वोमिटिंग भी हो जाता है।

ब्रश करते समय उल्टी आने का कारण जीईआरडी की बीमारी

ब्रश करते वक्त उल्टी का कारण पेट में होने वाले अल्सर और गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स बीमारी का कारण हो सकता है। पेट से जुड़ी बीमारी का कारण हो सकता है। दरअसल, पेट में एसिड बढ़ने से आपको ब्रश करने के दौरान मतली हो सकती है। ऐसे में पेट की स्थिति खराब हो सकती है।

किडनी खराब होने के हो सकते हैं संकेत

ब्रश करते वक्त उल्टी महसूस होना किडनी खराब होने के लक्षण हो सकते हैं। दरअसल, जब किडनी ठीक से फंक्शन नहीं कर पाती है तो ऐसे में पेट से जुड़ी समस्याएं होने लगती है। किडनी खराब होने का सबसे महत्वपूर्ण कारण है शरीर में क्रिएटिनिन का लेवल बढ़ना। इससे मतली होने के साथ-साथ पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती है।

समय रहते इलाज करें

अगर आपको भी ब्रश के दौरान ऐसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। ताकि वक्त रहते कारण का पता चल जाए और आगे का इलाज शुरू हो सके।

आकांशा रंजन कपूर ने दस्तूर में नीना गुप्ता की बेटी बनने का बताया अनुभव

हाल ही में जसलीन रॉयल के नवीनतम संगीत वीडियो दस्तूर में दिखाई देने वाली अभिनेत्री आकांशा रंजन ने कहा कि नीना गुप्ता की उपस्थिति में उनकी बेटी का किरदार निभाना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक था। गाने में बाबिल खान, जसलीन रॉयल के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता शामिल हैं, साथ ही आकांशा ने इस समूह में अपनी आकर्षक उपस्थिति दर्ज कराई है।

आकांशा ने कहा, जैकी सर ने सेट पर हंसी ला दी, उनकी चंचल हरकतें सभी के चेहरे पर मुस्कान ला देती है। नीना आंटी की मौजूदगी में उनकी बेटी का किरदार निभाना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक था। वह मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है और मेरे जीवन में एक प्रिय व्यक्ति रही है।

संगीत वीडियो में एक जोड़े (जसलीन रॉयल और बाबिल खान द्वारा अभिनीत) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया है, जो समाज द्वारा विवश है। इसमें आकांशा रंजन कपूर ने नीना गुप्ता की बेटी का किरदार निभाया है।

गाने और जसलीन रॉयल के साथ अपने सहयोग के बारे में बात करते हुए आकांशा रंजन कपूर ने साझा किया, मैंने इस गाने को नीना मैम, जैकी सर और जसलीन के साथ फिल्माया। यह मड आइलैंड में एक आनंदमय एक दिवसीय शूट था, जिसमें आनंद के अलावा कुछ नहीं था। इसके अंत तक हर कोई सकारात्मक भावनाओं से ओत-प्रोत होकर गीत गुनगुना रहा था और उस पर झूम रहा था।

उन्होंने कहा, नीना आंटी और जैकी सर के बीच के मार्मिक क्षण का साक्षी बनना, जहां उन्होंने धीरे से उनकी आंखों में काजल लगाया, हर किसी की आंखों में आंसू आ गए, यह वास्तव में खूबसूरत पल था। जसलीन ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया।

आकांशा रंजन कपूर सीवी कुमार की बहुप्रतीक्षित निर्देशित फिल्म मायावन में संदीप किशन के साथ तेलुगु उद्योग में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विक्की कौशल की सैम बहादुर ने पार किया 80 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा

विक्की कौशल, फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा जैसे सितारों से सजी फिल्म सैम बहादुर 1 दिसंबर को रणबीर कपूर की एनिमल के साथ रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है।सैम बहादुर को शुरुआत से दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और रिलीज के तीसरे सप्ताह में भी फिल्म की पकड़ बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है। घटती कमाई के बावजूद सैम बहादुर ने 80 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। अब सैम बहादुर की कमाई के 20वें दिन का आंकड़े सामने आ चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे बुधवार 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 81.20 करोड़ रुपये हो गया है। सैम बहादुर दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर चुकी है। इससे पहले उनकी फिल्म राजी, उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक और जरा हटके जरा बचके ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूआ था। सैम बहादुर में सान्या मल्होत्रा भी हैं, जो अभिनेता की पत्नी सिल्लू मानेकशॉ बनी हैं। इसमें फातिमा सना शेख ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है।सैम बहादुर की कहानी भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना को जीत दिलाई थी। एनिमल के अलावा अब सैम बहादुर का सामना शाहरुख खान की डंकी से होगा, जो 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

एनिमल ने 20वें दिन गदर 2 को पछाड़ा, बनी तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की इस फिल्म को शुरुआत से दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। रिलीज के तीसरे सप्ताह में भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की ताबड़तोड़ कमाई जारी है। अब एनिमल ने रिलीज के 20वें दिन इतिहास रच दिया है। गदर 2 को पछाड़ यह तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनिमल ने अपनी रिलीज के 20वें दिन (तीसरे बुधवार) 5 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 528.69 करोड़ रुपये हो गया है। इसी के साथ एनिमल ने सनी देओल की गदर 2 (524.80 करोड़ रुपये) को पटखनी के दी है। शाहरुख खान की जवान (643.87 करोड़ रुपये) और पठान (543.05 करोड़ रुपये) के बाद एनिमल (528.69) तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई।

इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर एनिमल का सामना विक्की कौशल, सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख की फिल्म सैम बहादुर से हो रहा है। यह फिल्म भी 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब टिकट खिड़की पर एनिमल का मुकाबला शाहरुख खान की फिल्म डंकी से होगा जो 21 दिसंबर सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटा चुकी है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सभी विभागों को एकजुट होकर लगन से पूरा करना होगा काम : कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला अन्तर्विभागीय बैठक ली। इस बैठक में नोडल विभाग स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा शामिल थे। कलेक्टर डॉ. सिद्दीकी ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को कहा कि जिले के नागरिकों से जुडे बेसिक कार्य आधार, आयुष्मान, इलाज सहित अन्य योजनाओं से जुड़े लाभ को दिलाने के लिए सभी विभागों के अमला को एकजुट होकर पूरे लगन से निरंतर कार्य करना होगा। बैठक में जिले के स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आयुष्मान, आधार, कुष्ठ, बच्चों की जन्मजात बीमारी, नेत्र जांच, एनीमिया, सिकलीन आदि के संबंध में चर्चा की गई। डॉ. सिद्दीकी ने आगामी 1 जनवरी से 15 फरवरी तक योजनाबद्ध तरीके से जिले में शिविर लगाकर कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. एफआर. निराला, बीएमओ डॉ. अवधेश पाणिग्राही, डॉ. पंकज, बीईओ रेशम लाल कोसले, एस.एन.साहू, नरेश चौहान, डीपीएम एन.एल. इजारदार, चंचल वारे, कृष्णा साहू आदि उपस्थित थे।

मोबाईल वैन के माध्यम से केन्द्र शासन की योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

गरियाबंद। भारत सरकार की योजनाओं से नागरिकों को जागरूक करने एवं शासन की लोकहितैषी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाईल वैन आज फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम रजकट्टी पहुंचा। इस अवसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा में भारत सरकार के संयुक्त सचिव एवं जिला प्रभारी पंकज बोड़खे शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करें। इस दौरान स्टॉल पर उपस्थित हितग्राहियों से चर्चा भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, एसडीएम धनंजय नेताम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन और जिला अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे। जिला प्रभारी पंकज बोड़खे ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम शुरू की गई है। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी रहते है, ग्रामीणजन यहां आकर योजनाओं अधिक से अधिक लाभ ले और दूसरों को भी योजनाओं से लाभ लेने प्रेरित करें। कार्यक्रम में अधिकारियों की ओर से विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाती है। कार्यक्रम में महिला व बाल विकास विभाग अंतर्गत बच्चों के लिए सुपोषण किट एवं गोद भराई कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती माताओं को सुपोषण किट प्रदान किया। इस दौरान धरती कहे पुकार के अंतर्गत जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए नाट्य प्रस्तुति दी।

युवाओं ने प्रस्तुत की 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने तक विकसित भारत के भावी स्वरूप पर विजनरी डाक्युमेंट ''विकसित भारत मिशन @2047'' के परिपेक्ष्य में ''कृषि-शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार एवं विकास की भूमिका'' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस विचार गोष्ठी में रायपुर मुख्यालय में संचालित कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों ने आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने तक विकसित भारत के भावी स्वरूप एवं कार्ययोजना के संबंध में विचार व्यक्त किये। भारत सरकार द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के तहत माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश के आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरण, सुशासन सहित स्थाई विकास के भावी स्वरूप एवं उसका रोड मेप तैयार किया जाएगा। इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा चर्चा, परिचर्चा, भाषण, वाद-विवाद, पोस्टर, रैली एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्त किये गये विचारों को ''Ideas from Youth for Viksit Bharat @ 2047'' वेब पेज पर अपलोड किया जाना है। विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की। इस अवसर पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. में अध्ययनरत 150 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मार्गदर्शन में किया गया।

विद्यार्थियों द्वारा विचार गोष्ठी में सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी, कृषि प्रसंस्करण को बढ़ावा देना, एग्री बिजनेस पार्क स्थापित करना, वर्षा जल प्रबंधन, वर्टिकल फार्मिंग, मृदा रहित खेती, कृषि में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तथा व्यवसायिक कृषि को अपनाना आदि विषयों पर 25 छात्र-छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर छात्रों द्वारा प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ 10 विचारों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रायपुर मुख्यालय के समस्त महाविद्यालयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने ''विकसित भारत मिशन @2047'' कार्यक्रम के अंतर्गत ''भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे'' का ऑनलाईन शपथ ग्रहण कर ई प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक प्रक्षेत्र डॉ. एस.एस. टुटेजा उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ. रामा मोहन सावू ने किया। ''विकसित भारत मिशन @2047'' कार्यक्रम के तहत इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

कोविड-19 से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। केरल तथा भारत के कुछ राज्यों में कोविड-19 के प्रकरणों में वृद्धि दर्ज हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी ने कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने हेतु रेस्पिरेटरी हाईजिन और कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन किए जाने हेतु जिले के नागरिकों को कोविड 19 के लक्षणों तथा बचाव के संबंध में जानकारी दी है।

कोरोना से लोगों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से एहतियाती कदम उठाने के लिए शासन से प्राप्त गाईडलाइन के संबंध में आवश्यक निर्देश सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को जारी किया गया है। जिससे इस वायरस के प्रसार के जोखिम को कम किया जा सके। उन्होंने खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को कोविड-19 के दिशा-निर्देशों के अनुसार पर्याप्त परीक्षण सुनिश्चित करने आर.टी.पी.सी.आर. और एंटीजन परीक्षणों के लिए प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही चिकित्सालय में आने वाले इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (आई.एल.आइ) और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एस.ए.आर. आई.) की जांच और निगरानी करने व इसकी रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे ऐसे मामलों की शुरूआती बढ़ती प्रकृति का पता लगाया जा सके। सीएमएचओ ने कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन हेतु जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया तथा लॉजिस्टिक और बुनियादी ढाँचे की तैयारी जिसमें अस्पतालों में पर्याप्त बेड की उपलब्धता तथा आवश्यक दवाओं का स्टॉक सुनिश्चित करने की बात कही।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोविड से बचाव के लिए को कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करना आवश्यक है। विशेषकर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं तथा बच्चों को बाहर जाने पर सावधानी और बचाव हेतु मास्क लगाना चाहिए तथा भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने से बचना चाहिए। कलेक्टर सौरभ कुमार तथा सीएमएचओ डॉ केसरी ने जिलेवासियों से कोरोना से सर्तक रहने की अपील करते हुए बुखार, खांसी, नाक बहने जैसे श्वसन संबंधी लक्षण से ग्रसित व्यक्तियों को यथाशीघ्र अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर डॉक्टर से परामर्श लेने का आग्रह किया है।

उज्जवला योजनाः 19 महिला हितग्राहियों को मिला नवीन गैस कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। मगरलोड विकासखंड के ग्राम पंचायत मोतिमपुर में आज विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यकम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित विरेन्द्र कुमार साहू पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मगरलोड के द्वारा कार्यकम में उपस्थित ग्राम के नागरिको को विकसित भारत संकल्प लिया गया है। स्कूली बच्चों द्वारा धरती कहे पुकार के तहत नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर केन्द्र शासन द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित 55 हितग्राहियों द्वारा अपनी कहानी अपनी जुबानी के माध्यम से अपनी बातों को साझा किये। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं नया आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। प्रधानमन्त्री उज्जवला योजना के तहत 19 हितग्राहियो को नवीन गैस कनेक्शन प्रदाय किया गया है। नया आधार कार्ड बनाने एवं अपडेट करने का कार्य भी उक्त कार्यक्रम में किया गया है। वैन एल.ई.डी के माध्यम से केन्द्र शासन की ओर से संचालित योजना की जानकारी दी गई। 40 लोगो को पुरूस्कृत भी किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची ग्राम नवागांव, केन्द्र सरकार की योजनाओं से ग्रामीण हो रहे लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। भारत सरकार की योजनाओं से नागरिकों को जागरूक करने एवं शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाईल वैन आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत नवागांव पहुंची। इस दौरान सभी ने विकसित भारत के निर्माण के लिए शपथ ली।

गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में ग्रामीणों को ओडीएफ प्लस होने पर अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत बच्चों के लिए सुपोषण किट एवं गोद भराई कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती माताओं को सुपोषण किट प्रदान किया। इस दौरान धरती कहे पुकार के अंतर्गत महिलाओं ने जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए नाट्य प्रस्तुति दी तथा रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया। ग्रामवासी उत्साहपूर्वक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर ग्रामीणों को केन्द्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, मत्स्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लीड बैंक, आयुष विभाग, कृषि विभाग द्वारा केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मोबाईल वैन का स्वागत समिति द्वारा स्वागत किया गया। वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर सभी ने विकसित भारत के लिए संकल्प लिया एवं चलचित्र के माध्यम से विकसित भारत के उद्देश्य की सामान्य जानकारी दी गई। वैन के माध्यम से कृषि गतिविधि, ड्रोन डेमोंस्ट्रेशन व स्वाईल हेल्थ कार्ड डेमोंट्रेशन का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों एवं ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी देने के लिए लगाए गए स्टाल का अवलोकन किया। केन्द्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों ने 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' पहल के तहत अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर सरपंच सुश्री मेघा ठाकुर, उप सरपंच धर्मेन्द्र साहू, जनपद पंचायत स्तर के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विशेषज्ञों ने कहा- सीजेरियन सेक्शन के दौरान एनेस्थीसिया का प्रयोग करें सावधानीपूर्वक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर स्थित पुराने सभागृह में निश्चेतना विभाग द्वारा इण्डियन कॉलेज ऑफएनेस्थेसियोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थीसिया पर राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के निश्चेतना विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था- सामान्य तथा विभिन्न बीमारियों से ग्रसित गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित शल्य क्रिया (सीजेरियन सेक्शन) करवा कर बच्चे को सुरक्षित गर्भ से बाहर निकालना। इस प्रक्रिया के दौरान एक निश्चेतना विशेषज्ञ को क्या-क्या विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए कौन-सी निश्चेतक दवाइयां कितनी मात्रा में देनी चाहिए, इस संबंध में उपलब्ध नवीनतम दिशा-निर्देशों आदि पर सम्मेलन में चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष के ई एम हॉस्पिटल मुंबई एवं इण्डियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी की वरिष्ठ सदस्य डॉ. मंजुला सरकार तथा इण्डियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी के उपाध्यक्ष डॉ. महेश सिन्हा रहे। कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष एवं चिकित्सा महाविद्यालय में निश्चेतना विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा जैन शाह, कॉन्फ्रेंस की सचिव डॉ. प्रतीक्षा अग्रवाल एवं सिम्स बिलासपुर के अधिष्ठाता डॉ. के. के. सहारे समेत राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों के निश्चेतना विभाग के विभागाध्यक्षों तथा अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और अपने अनुभवों को साझा किया।

डॉ. प्रतीक्षा ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रदेश भर के डेढ़ सौ से अधिक निश्चेतना विशेषज्ञों एवं पी.जी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं पर निश्चेतना (एनेस्थीसिया) के प्रयोग विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसके प्रथम एवं द्वितीय विजेता पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के स्नातकोत्तर छात्र क्रमशः डॉ. शशांक शर्मा एवं डॉ. अहाना बोस तथा तृतीय विजेता एम्स रायपुर के स्नातकोत्तर छात्र डॉ. सत्यनारायण रहे।

ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया का छिड़काव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिले के बस्तर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कोलचूर में ड्रोन के माध्यम नैनो यूरिया का छिड़काव किसानों की उपस्थिति में किया जा रहा है। किसानों को नयी तकनीक की जानकारी दी जा रही है। किसान प्रदर्शनी को देखने उत्साहित नजर आ रहे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया का छिड़काव खेतों में किया जा रहा है। साथ ही किसानों के खेतों में कृषि विभाग और भारत सरकार की कंपनी एनएफएल के संयुक्त तत्वावधान में डेमोंस्ट्रेशन किया जा रहा है।

इस मौके पर किसानों को अवगत कराया गया कि ड्रोन से बेहतर दक्षता के साथ भूमि के बड़े रकबा में जल्दी और कुशलता से नैनो यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। इसका सार्थक लाभ यह होता है कि किसानों कम लागत लगेगी और खेतों में फसल की पैदावार बेहतर होगी इसके साथ ही फसल स्वास्थ्य पर डेटा इकट्ठा करने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। जिससे किसानों को उन क्षेत्रों की पहचान करने की अनुमति मिलती है, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसानों को कम लागत का भी लाभ मिलता है। ड्रोन खेत के उन क्षेत्रों को पहचान करके लागत कम करने में मदद कर सकते हैं, जिन पर ध्यान केन्द्रीत करने की जरूरत है।

किसानों को खेत में छिड़काव करने के लिए अधिक मेहनत नहीं करनी पड़ेगी इसके साथ ही कीटनाशकों और अन्य रसायनों का उपयोग को कम करना है। ड्रोन के उपयोग का लाभ कृषि कार्य के लिए घुलनशील रसायन एवं कीटनाशकों का छिड़काव हेतु किसानों को किराया मात्र 300 रूपए प्रति एकड़ वहन करना पड़ेगा। कृषि कार्य हेतु ड्रोन से छिड़काव की अवधि 3 से 7 मिनट प्रति एकड़ उपयोग किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार कृषि कार्य हेतु ड्रोन को जीपीएस के माध्यम से सही जगह एवं दिशा में रखा जा सकता है, जिससे निर्धारित क्षेत्र में स्प्रे किया जा सकता है। कोलचूर में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया का छिड़काव के दौरान संयुक्त संचालक कृषि ध्रुव और कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी मौजूद थे।

खास खबर

दूसरे की ऋण पुस्तिका में अपनी फोटो लगाकर 13.20 लाख ठगे

प्रतापपुर (ए)। दूसरे की जमीन की ऋण पुस्तिका में अपनी फोटो लगाकर 13 लाख 20 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इन दिनों पुलिस पुराने मामलों के निराकरण की कार्रवाई कर रही है।

27 जून को ग्राम सेंधोपारा भटगांव निवासी केशव प्रसाद ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाहबुद्दीन निवासी मरहट्टा प्रतापपुर और एक अन्य व्यक्ति द्वारा सितंबर 2022 से अप्रैल 2023 के बीच एक राय होकर दूसरे की जमीन की ऋण पुस्तिका में अपनी-अपनी फोटो चस्पा कर इसे ग्राम सत्यनगर में दूसरे की जमीन दिखाकर जमीन को चार एकड़ होना बताया और 3 लाख रुपए प्रति एकड़ में बिक्री करने का सौदा तय कर रकम ट्रांसफर करवाया। अलग-अलग तिथियों में नकदी और जमीन संबंधी दस्तावेज तैयार करवाने के नाम पर कुल 13 लाख 20 हजार प्रार्थी से ले लिए। जब जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई तो प्रार्थी को ठगे जाने का एहसास हुआ। इसके बाद उसने धोखाधड़ी और ठगी की शिकायत पुलिस से की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत मामला पंजीबद्ध किया था। मामले की विवेचना के दौरान प्रार्थी के बैंक खाता की जानकारी हासिल करते हुए आरोपी की पतासाजी के दौरान मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी शाहबुद्दीन पिता रज्जाक उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम मरहट्टा थाना प्रतापपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बंटवारे की रकम को खर्च करना बताया है।

पत्नी करती थी फोन पर बात तो गला दबाकर ले ली जान

बिहारपुर (ए)। सूरजपुर जिले के बिहारपुर के ग्राम महुली में एक युवक ने प्रेम विवाह के तीन साल बाद पत्नी का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वह फरार हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि महुली निवासी 21 वर्षीय लीलावती खैरवार को उसके ही पति 23 वर्षीय पति कमलेश साकेत ने मार डाला।

अब तक पुलिस को जांच में पता चला है कि लीलावती जब किसी से फोन पर बात करती थी तो कमलेश को उसके चरित्र पर शक करता था। इस पर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। एक साल पहले वह अपनी पत्नी को पीट रहा था तो इस बीच उनके एक साल के बच्चे को चोट लग गई थी। बताया जाता है कि इससे उसकी मौत हो गई थी, लेकिन इसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। वहीं लीलावती आठ माह की गर्भवती भी थी।

साधु बनकर गांजा तस्करी करने वाला गिरफ्तार

झारसुगड़ा से अमरकंटक लेकर जा रहा था 6 किलो गांजा, ट्रेन की इंतजार में था आरोपी

बिलासपुर (ए)। दुर्ग का गांजा तस्कर गुरुवार को बिलासपुर में जीआरपी के हाथ लग गया। उसने साधु बनकर भगवा कपड़े पहन थैले में 6 किलो गांजा रखा हुआ था। जिसे वह झारसुगड़ा से ट्रेन में लेकर आया था और अमरकंटक लेकर जाने वाला था। प्लेटफॉर्म के आउटर में वह ट्रेन के इंतजार में था, तभी टीम ने उसे दबोच लिया। जब्त गांजे की कीमत 1 लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है।

रेलवे के एसआरपी जेआर ठाकुर ने सभी जीआरपी प्रभारियों के साथ ही एंटी क्राइम टीम को ट्रेनों की सघन निगरानी और तस्करों की धरपकड़ करने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश पर गुरुवार को एंटी क्राइम टीम प्लेटफॉर्म पर निगरानी कर रही थी, तभी उन्होंने देखा कि साधु के वेश में एक आदमी प्लेटफॉर्म नंबर 6 की तरफ जा रहा है। टीम ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी। आरोपी कटनी रूट के आउटर पर जाकर बैठ गया। आरोपी के हाव-भाव और थैले को देखकर टीम को शक हुआ, तब उसके पास जाकर पूछताछ की गई। उसके थैले की तलाशी लेने पर उसमें से 6 किलो गांजा मिला, जिसे टीम ने जब्त कर लिया और उसे पकड़कर जीआरपी थाने लेकर आ गई।

दुर्ग का रहने वाला है तस्कर अमरकंटक में खपाने निकला था गांजा

आरोपी से पूछताछ में पता चला कि हरिदास बैरागी (60) दुर्ग जिले के कुम्हारी का रहने वाला है। उसने जीआरपी को बताया कि वह झारसुगड़ा से गांजा लेकर ट्रेन में बिलासपुर स्टेशन पर उतरा। यहां से वह गांजा को अमरकंटक लेकर जाने वाला था और ट्रेन के इंतजार में था। जीआरपी ने उसके खिलाफधारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एंटी क्राइम टीम के आरक्षक लक्ष्मण गाइन, संतोष राठौर, सौरभ नागवंशी और मन्नु प्रजापति शामिल रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा, 9 माह में कोर्ट ने दिया फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी को यहां के जिला न्यायालय ने 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस मामले में तेजी से सुनवाई की और 9 माह में ही फैसला सुनाया है। मामला अप्रैल 2023 का है। पीडिता की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया था।

बता दें अप्रैल 2023 में पीडिता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता की मां ने बताया था कि उसकी बेटी जिसकी आयु 14 वर्ष 6 माह है, जो 31 मार्च से घर में थी। आसपास पता किए जाने पर भी उसकी बेटी का कोई पता नहीं चला। कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी बेटी को बहला फुसला कर ले गया। इसके कुछ दिन बाद उन्हें ढूंढ लिया गया। इसके बाद बालिका ने बताया कि 31 मार्च 2023 की सुबह आरोपी युवक विष्णु खुसरो (28) थाना सहसपुर लोहारा 31 मार्च से चार अप्रैल 2023 तक पीड़िता के गांव में व अन्य स्थानों पर दुष्कर्म किया।

प्रकरण में धारा 363, 366, 376(3) आईपीसी व धारा छह लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। युवक को पांच अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। मात्र नौ माह के भीतर ही मामले की सुनवाई पूरी हो गई। कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए अलग-अलग धाराओं के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। वहीं, तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना की रकम अदा नहीं करने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

बिना अनुमति कार्यक्रम करने वालों पर होगा मुकदमा दर्ज नए साल पर पुलिस सख्त, नशे में ड्राइविंग की तो गाड़ी होगी जब्त

रायपुर (ए)। राजधानी में 31 दिसंबर की रात नए साल के जश्न पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम और इवेंट पर पुलिस-प्रशासन का सख्त पहरा रहेगा। बिना अनुमति कार्यक्रम करने वालों पर सीधे मुकदमा दर्ज किया जाएगा। कार्यक्रम भी तुरंत बंद करा दिया जाएगा। रात 10 बजे के बाद कोई भी डीजे या साउंड बॉक्स नहीं बजा सकेगा। रात 2 बजे तक शहर के चारों तरफ 25 जगह पुलिस की जांच चलेगी। गाड़ी चलाने वाला नशे में पाया गया तो गाड़ी जब्त की जाएगी। साथ ही 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया जाएगा। तीन सवारी, बिना नंबर और हाईस्पीड पर भी कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी लखन पटले ने बताया कि नए साल के कार्यक्रम को लेकर गाइड लाइन बनाई गई है। जल्द ही होटल, रेस्तरां, बार और इवेंट कंपनियों की बैठक बुलाई जाएगी। उन्हें दिशा-निर्देश दिया जाएगा। साउंड सिस्टम को लेकर सख्ती रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार ही अनुमति दी जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने पर डीजे, धूमाल समेत साउंड सिस्टम को जब्त किया जाएगा। हर तरह के छोटे-बड़े आयोजन के लिए अनुमति लेना जरूरी है।

रात 8 बजे से 2 बजे तक चलेगी जांच

31 दिसंबर की रात 25 से ज्यादा जगहों पर पुलिस बेरीकेड्स लगाकर जांच करेगी। खासतौर पर बाहर से शहर के भीतर आने वाली गाड़ियों की जांच की जाएगी। जांच रात 8 बजे से शुरू होगी और रात 2 बजे तक चलेगी। गाड़ी चलाने वालों की मशीन से जांच की जाएगी। रात में नवा रायपुर में बिना कारण किसी को घूमने नहीं दिया जाएगा। सेरीखेड़ी, जोरा, वीआईपी, राज्योत्सव मैदान के पास भी पुलिस जांच करेगी। वहां रहने वाले या कार्यक्रम का पास दिखाने वाले को ही जाने दिया जाएगा। बाहर से आने वाले कलाकार या इवेंट कंपनी की पूरी जानकारी पुलिस-प्रशासन को देनी होगी।

कार्यक्रम स्थल पर सीसीटीवी कैमरा जरूरी

नए साल के मौके पर सभी तरह के आयोजनों में सीसीटीवी कैमरा लगाना जरूरी है। निजी सुरक्षा गार्ड भी होना चाहिए, जो कार्यक्रम स्थल के भीतर और बाहर की सुरक्षा करेंगे। पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी। अगर गाड़ियां सड़क पर पार्क हुईं तो जब्त की जाएंगी। जुर्माना भी लगाया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर इमरजेंसी गेट बनाना होगा।

गढ़चिरौली में निर्माण में लगे वाहनों को नक्सलियों ने फूंका

राजनांदगांव (ए)। गढ़चिरौली में नक्सलियों ने फिर उत्पात मचाया है। यहां निर्माण कार्य में लगे वाहनों में नक्सलियों ने आग लगाई है। वहीं मजदूरों को धमकी देकर मौके से भगा दिया है। उन्हें दोबारा काम पर नहीं लौटते की धमकी दी है।

गढ़चिरौली पुलिस ने बताया कि बुधवार को हथियारबंद नक्सली भामरागढ़ इलाके के हिंदूर गांव पहुंचे। जहां सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था, दिनदहाड़े पहुंचे नक्सलियों ने यहां मौजूद जेसीबी, ट्रैक्टर, मिक्सर मशीन सहित पांच गाड़ियों के डीजल टैंक को फोड़कर उसमें आग लगा दी। जिससे वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। इसके बाद नक्सलियों ने मजदूरों और निर्माण कंपनी के कर्मचारियों को धमकी देकर उन्हें भगा दिया। मामले की सूचना के बाद सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे। जिन्होंने आसपास के हिस्सों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही मुठभेड़ में गढ़चिरौली की फोर्स ने दो नक्सलियों को ढेर किया था।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)
'निविदा संशोधन सूचना'
ज्ञा.क. 3473/ व.ले.लि / ग्रा.यां. से. /2023-24 दुर्ग, दिनांक 19/12/2023
निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-51 दिनांक 08.12.2023 द्वारा आमंत्रित निविदा में सरल कमांक 7, 8 15, 19 के कार्यों को अपरिहार्य कारणों से विलोपित किया जाता है।
शेष शर्तें यथावत रहेगा।
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)
जी - 06554/3

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र. 150016/निविदा सूचना क्र. 46/वलेलि/2023-24,
दुर्ग दिनांक 19.12.2023
निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 09.01.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-
कार्य का नाम- दुर्ग जिले के विकासखण्ड दुर्ग की बिरेझर डायवर्सन शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार कार्य एवं आर.डी. 0 मी. से 3450 मी. तक माईनर एवं सब माईनर आर.डी. 0 मी. से 1050 मी. तक नहर लाईनिंग कार्य साथ ही 03 नग व्ही.आर.बी., 15 नग आउटलेट, 04 नग इनलेट निर्माण कार्य
अनुमानित लागत - रू. 295.64 लाख
(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 26.12.2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।
नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर. छ.ग.
जी - 06541/6

महिला मित्र के लिए करवाई हत्या: दिल्ली की युवती से कारोबारी करता था चैटिंग, इसलिए उसके नाराज दोस्त ने भेजा शूटर, पूछताछ में खुला राज

थोक कारोबारी दिल्ली गया तब युवती से हुई मुलाकात, मास्टर माइंड और उसके साथी को लाया गया

रायपुर (ए)। नल और पाइप के थोक कारोबारी संदीप जैन की हत्या की सुपारी देने वाला ओडिशा का ट्रांसपोर्टर सुनील केडिया और उसका स्टाफ संतोष सिंह पकड़ा गया दोनों को गुरुवार सुबह रायपुर लाया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद चौंकाने वाला खुलासा हुआ और नई कहानी सामने आई है। पुलिस के अनुसार कारोबारी संदीप जैन की दिल्ली में किसी युवती से दोस्ती हुई थी। वह ओडिशा के ट्रांसपोर्टर की मित्र थी। ट्रांसपोर्टर को पसंद नहीं था कि संदीप उसकी महिला मित्र के संपर्क में रहे। इसी वजह से उसने संदीप की हत्या की सुपारी दे दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी सुनील केडिया ने दिल्ली की युवती के मोबाइल से ही संदीप जैन का मोबाइल नंबर निकाला। उसके बाद अपने स्टाफ संतोष सिंह से कहा कि उसे संदीप को अपने रास्ते से हटाना है। संतोष ने अपने परिचित अमन शर्मा से संपर्क किया। अमन पैसों के लिए हत्या करने को राजी हो गया। अमन ने संदीप के नंबर पर लड़की बनकर मैसेज किया। उससे चैट का प्रयास किया। उसने संदीप को पहले मिलने के लिए मॉल बुलवाया। वहां अमन ने छुपकर संदीप की फोटो खींची, लेकिन मुलाकात नहीं की। उसने फोटो केडिया के पास भेजी और बताया कि संदीप कौन है। उसके बाद गुरुवार को उसने संदीप को मिलने बुलाया और घर के पास पिस्टल निकालकर फायर कर दिया। इससे संदीप गंभीर रूप से घायल हुआ लेकिन उसने अमन को पकड़ लिया। अमन से पूछताछ के दौरान संतोष के बारे में जानकारी मिली। उसके बाद पुलिस ने ओडिशा सुंदरगढ़ में छापा मारकर संतोष को पकड़ लिया।

संतोष से पूछताछ में सुनील केडिया नाम आया। सुनील रिश्तेदार की शादी में रायगढ़ आया था। शादी समारोह से ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस की एक टीम दिल्ली रवाना की गई है। वहां युवती से पूछताछ की जाएगी। युवती को रायपुर लाया जा सकता है।

10 लाख की लालच में मारी गोली

पुलिस के अनुसार संतोष सिंह ने अमन शर्मा को सिर्फ रेकी करने की सुपारी दी। उसने दो लाख रुपए दिया था। अमन कट्टा और पिस्टल लेकर आया था। संतोष ने कहा था कि वह शूटर भेजेगा। उसे हथियार दे देना। तब अमन ने पूछा कि कितना पैसा शूटर को मिलेगा। संतोष ने कहा कि 10 लाख दूंगा। अमन ने कहा कि 10 लाख उसे दे दे। वह गोली चला देगा। पैसों के लालच में अमन ने खुद गोली चला दी। लेकिन वह भाग नहीं पाया।

कौन है दिल्ली की युवती

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में रहने वाली युवती ट्रांसपोर्टर सुनील की पुरानी परिचित है। उसने वहां उसे 13 लाख का फ्लैट गिफ्ट किया है। कुछ माह पहले संदीप कारोबार के सिलसिले में दिल्ली गया था। वहां युवती से मुलाकात हुई। संदीप की युवती से बातचीत होने लगी। इसकी जानकारी सुनील को हो गई।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

कलेक्टर ने ली राईस मिलरों की बैठक

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में दुर्ग जिले के राईस मिलर्स की बैठक आज कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई, जिसमें वर्ष 2022-23 में कस्टम मिलिंग अंतर्गत उठाव किये गये धान के विरूद्ध जमा चावल एवं खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में उपार्जित धान का समिति से शत-प्रतिशत उठाव सुनिश्चित करने हेतु अधिक से अधिक मात्रा में बैंक गारंटी जमा कर समितियों से धान का उठाव करने एवं वर्ष 2023-24 में कस्टम मिलिंग के अंतर्गत चावल जमा करने की प्रगति के संबंध में राईस मिल वार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान समितियों से धान के उठाव एवं कस्टम मिलिंग के अंतर्गत चावल जमा करने की प्रगति कम पाये जाने पर कलेक्टर द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की गई। उन्होंने राईस मिलर्स को शीघ्र धान का उठाव एवं चावल जमा का कार्य राईस मिल की क्षमता के अनुरूप करने कहा। बैठक में अनुपस्थित राईस मिलर्स को कड़ी चेतावनी देने के निर्देश दिये गये। बैठक में खाद्य नियंत्रक डी.एम.ओ. एवं नान के अधिकारी और मिलर्स उपस्थित थे।

क्रेडा ने किया रिटेलर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

दुर्ग। ब्यूरो ऑफएनर्जी एफिशियेंसी भारत सरकार (बीईई) एवं छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ऊर्जा विभाग छ.ग. शासन के तत्वावधान में ऊर्जा संरक्षण आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत् आज 21 दिसम्बर 2023 को दुर्ग जिले में रिटेलर ट्रेनिंग प्रोग्राम मानक और लेबलिंग विषय पर होटल सेंट्रल पार्क सुपेला भिलाई में आयोजन किया गया। अधीक्षण अभियंता श्री भानुप्रताप के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बहुत अधिक रिटेलर एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित हुए। श्री भानुप्रताप, अधीक्षण अभियंता क्रेडा जोनल कार्यालय दुर्ग द्वारा कार्यक्रम में सम्बोधन के दौरान कहा गया कि आज के वर्तमान स्थिति में बढ़ती हुई जनसंख्या एवं उनके विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति को कम करने के लिए सबसे पहले जो हम ऊर्जा का उपयोग कर रहे है, उसे किस तरह से संरक्षण किया जाये और ऊर्जा दक्ष उपकरणों की आवश्यकता हमें क्यों हो रही है। स्टार रेटिंग एवं लेबलिंग विषय के बारे में बताया गया तथा ऊर्जा संरक्षण अधिनियम-2001 के परिपालन किये जाने के लिए रिटेलर के प्रतिनिधि को बताया गया।

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर के लिए निकली भर्ती

दुर्ग। रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अम्बिकापुर, मेण्ड्राकला, जिला सरगुजा में लोवर डिविजन क्लर्क (एल.डी.सी.), मेडिकल ऑफिसर एवं नर्सिंग सिस्टर (केवल महिला) के 1-1 पद हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए है। इच्छुक आवेदक निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों के साथ विज्ञापन के प्रकाशन की तिथी से 21 दिनों के भीतर सैनिक स्कूल अम्बिकापुर के कार्यालय में आवेदन कर सकते है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल किसी भी डाक देरी के लिए ज़िम्मेदार नहीं होगा। स्कूल प्रशासन किसी भी समय किसी भी पद के लिए भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने या बिना सूचना के अधूरे आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। योग्यता मानदंड, आवेदन पत्र और भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अन्य जानकारी स्कूल की वेबसाइट 'www.sainik schoolambikapur.org.in' पर देख सकते है।

लम्पओर क्रशिंग यूनिट सिद्ध होगी भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए एक गेम चेंजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के ओएचपी-बी में बहुप्रतीक्षित लम्प आयरन अयस्क क्रशिंग यूनिट का उद्घाटन, सिंटर संयंत्रों को आपूर्ति किए जाने वाले लौह अयस्क फाइन की गुणवत्ता में सुधार हेतु संयंत्र के लिए कई मायनों में एक गेम चेंजर साबित होगा।

संयंत्र के खदानों से सिंटर संयंत्रों को आपूर्ति किए जाने वाले लौह अयस्क के बारीक़ टुकड़ों (फाइन्स) की गुणवत्ता बनाए रखना संयंत्र के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। संयंत्र के अयस्क खदानों से आपूर्ति किए जा रहे लौह अयस्क के फाइन्स की गुणवत्ता, उच्च गैंग घटक, कम स्रद्व सामग्री और अधिकतम मात्रा में माइनस (-) 1 मिमी फ्रैक्शन के कारण खराब हो गई है। इस प्रकार निम्न गुणवत्ता वाले लौह अयस्क के फाइन्स से उत्पादित सिंटर को जब ब्लास्ट भट्टियों में चार्ज किया जाता है, तो स्लैग दर, कोक दर और फ्लक्स संरचना में वृद्धि के साथ ईंधन दर में भी वृद्धि होती है। परिणामस्वरूप ऊर्जा दर में वृद्धि होगी और उत्पादित हॉट मेटल के प्रति टन कार्बन उत्सर्जन में भी वृद्धि होगी। नई क्रशिंग यूनिट लौह अयस्क के लम्प को क्रश करके उन्हें फाइन्स में बदल देगी, जिसका उपयोग सिंटर प्लांट द्वारा सिंटर बनाने के लिए किया जाएगा। इस प्रकार क्रश्ड हुए लौह अयस्क के फाइन्स से तैयार सिंटर को लोहा बनाने के लिए ब्लास्ट भट्टियों में चार्ज किया जाता है। उच्च स्रद्व सामग्री और कम गैंग घटक के कारण क्रशिंग यूनिट से उत्पन्न लौह अयस्क फाइन्स की गुणवत्ता, हमारी घटती कैप्टिव खदानों से आपूर्ति किए गए फाइन की तुलना में बेहतर है। इस प्रकार, ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले क्रश्ड लौह अयस्क के फाइन्स से उत्पादित सिंटर में स्रद्व की मात्रा अधिक होगी, जो स्लैग दर व कोक दर को पूरी तरह से कम करने के साथ-साथ धमन भट्टियों की उत्पादकता बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी।

क्रशर यूनिट में क्रश्ड हुए लौह अयस्क के फाइन्स से उत्पादित सिंटर हाई स्ट्रेंथ और बेहतर गुणवत्ता की है, जिसके परिणामस्वरूप हॉट मेटल उत्पादन की तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन या तकनीकी-आर्थिक विश्लेषण में महत्वपूर्ण सुधार होता है। साथ ही यह ऊर्जा की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा, जिससे पर्यावरण पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सकेगा। इसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं, जिसमें औसत गैंग घटक की मात्रा पहले की तुलना में बहुत कम है। क्रश्ड अयस्क फाइन्स की पहली खेप दो दिन पहले सिंटर प्लांट-3 के लिए एमजीआर को भेजी गई थी। सेल की अन्य इकाइयों द्वारा अब जल्द ही अपनी संबंधित इकाइयों में अयस्क क्रशिंग का कार्य शुरू करने की उम्मीद है।

इस परियोजना को प्लानिंग और अनुमोदन चरण से लेकर कमीशनिंग और उत्पादन तक तीन महीने की रिकॉर्ड समय अवधि में पूरा किया गया। ओएचपी-बी में भंडारित लौह अयस्क लम्प्स से पूर्ति किये जाने वाले क्रशिंग यूनिट की उत्पादन क्षमता, प्रति माह 50,000 टन लौह अयस्क उत्पादन की है। सिंटर बनाने में अत्याधुनिक क्रशिंग यूनिट वजन मापने और भेजे गए उत्पाद के रिकॉर्ड के लिए, पूरी तरह से स्वचालित, मानव रहित वे ब्रिज के साथ सीसीटीवी कैमरा व आरएफआईडी तकनीक से युक्त है।

नई क्रशिंग यूनिट का उद्घाटन निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा 9 दिसंबर 2023 को संयंत्र के कार्यपालक निदेशक , एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरूप, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ताऔर मुख्य महाप्रबंधक एच के पाठकसहित संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारिगण की उपस्थिति में किया गया था।

रिटायर कर्मियों से सोसाइटी का रिश्ता हमेशा बना रहेगा: परगनिहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने एक समारोह में नवंबर माह में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को विदाई दी। सभी रिटायर कर्मियों को अध्यक्ष अशोक परगनिहा व पदाधिकारियों ने सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी।

अध्यक्ष अशोक परगनिहा ने इस मौके पर सभी रिटायर सदस्यों को जीवन के नए पड़ाव के लिए शुभकामनाएं दी और विश्वास व्यक्त किया सोसाइटी के साथ यह रिश्ता हमेशा बना रहेगा।

मेडिकल से एस धनराजू, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल्स से आरएल नागवंशी, मुबारक अली, राजेश वर्गीश,शरद कुमार, हेंब्रोम संजय खरे,बार एंड रॉड मिल से योगेंद्र कुमार बंछोर ने किया। देशमुख,ऑक्सीजन प्लांट-2 से हेमंत कुमार, प्लेट मिल से आशीष कुमार गोप,प्रेमलाल पिपरिया, इंस्ट्रूमेंटेशन से शिवलाल धनकर,मर्चेंट मिल से ए जगन्नाथ राव,फाऊंडरी एंड पैटर्न शॉप से शिवप्रसाद ठाकुर,आनंद कमल जैन,स्टील मेल्टिंग शॉप-1 से नरेंद्र बसंत राउत,टाउन सर्विसेज से उमा सिंह, स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से कृपा राव,रामेश्वर प्रसाद, ब्लास्ट फर्नेस से वीरेंद्र सिंह और एसीडब्ल्यूई से दीपक पिल्लई शामिल हैं।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष अशोक राठौर,आसमां परवीन, संचालक मंडल सदस्यगण विपिन बंछोर, पुरुषोत्तम सिंह कंवर, पूरन लाल देवांगन,जानकी राव, सतानंद चंद्राकर,शशिभूषण सिंह,नितिशा साहू और वेद प्रकाश सूर्यवंशी और सोसायटी के कर्मियों में पीयुष कर,सुदीप बनर्जी,नारायण साहू और सुरेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन विपिन

विकसित भारत संकल्प यात्रा' को मिल रहा अपार जनसमर्थन, जरूरतमंद लोग हो रहे हैं लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज विकसित भारत संकल्प यात्रा समापन कार्यक्रम में संकल्प यात्रा गंजपारा मंडी के शिविर के 1536 एवं कबड्डी मैदान मठपारा के शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत 1265 हितग्राही लाभान्वित हुए।सरकार की योजना के लाभार्थियों को सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल व प्रदर्शनी लगाकर लोगों को योजनाओं व सरकारी सेवाओं की जानकारी देने के साथ-साथ शिविर स्थल पर स्वास्थ्य की जांच भी की गई। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं की जानकारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है ताकि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच

सके।कार्यक्रम के दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारी/कर्मचारी सहित लोगो को कार्यक्रम शिविर का निरीक्षण करते हुए लाभार्थियों को जागरूक व प्रेरित किया और उपस्थित लाभार्थियों को 'हमारा संकल्प-विकसित भारत' की शपथ भी दिलाई। नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बाजार व राजस्व विभाग प्रभारी ऋषभ जैन (बाबू) पार्षद देवनारायण चन्द्राकर,नीता जैन, नरेंद्र बंजारे,श्रद्धा सोनी,पार्षद इंद्राणी कुलेश्वर साहू,महामंत्री रितेश शर्मा के साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन भी किया गया।उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए लोगों से सीधा संवाद किया।देश के वंचित लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार द्वारा सराहनीय कदम उठाए जा रहे हैं। समाज के अंतिम से अंतिम व्यक्ति का विकास कर उसे समाज की मुख्यधारा में शामिल करना केंद्र व प्रदेश सरकार का लक्ष्य है।शिविर कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस के तहत 4 लोगो को पार्षद ऋषभ जैन,देव नारायण चन्द्राकर,श्रद्धा सोनी,इंद्राणी कुलेश्वर साहू के द्वारा वितरण किया। मेरी कहानी-मेरी जुबानी' के माध्यम से अपने अनुभव सांझा करते हुए' विकसित भारत संकल्प यात्रा' इन योजनाओं की दिखाई दे रही झलक।विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन संवाद में सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं की झलक दिखाई दे रही है, जिनमें सरकार द्वारा चलाई गई।

बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय एवं सीएसआर द्वारा निक्षय मित्र कार्यक्रम, 'टीबी मुक्त भारत अभियान' की समीक्षा बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित सेक्टर-9 स्थित जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत है। माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, 2025 तक क्षय रोग को समाप्त करने के लिए कार्यक्रम में सक्रिय योगदान देने हेतु एक स्पष्ट आह्वान किया था, जिसके परिणामस्वरूप आज संयंत्र का मुख्य चिकित्सालय भी इस अभियान का हिस्सा है। इस कार्यक्रमकी पहल24 मार्च, 2023 को सीएसआर विभाग के सहयोग से जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र में लॉन्च किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत, जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र DOTS(डॉट्स) सेंटर में पंजीकृत टीबी रोगियों को गोद लिया जाना है और उन्हें

श्वसन विभाग द्वारा उनके नैदानिक मूल्यांकन और फॉलो अप के साथ-साथ अस्पताल के आहार अनुभाग से आहार पर सलाह और मार्गदर्शन के साथ-साथ मुफ्त पोषण,निर्धारित समयावधि पर लैब टेस्ट और रेडियोलॉजिकल मूल्यांकनसंबंधी सहायता प्रदान करना है। तपेदिक और सरकार द्वारा तपेदिक को खत्म करने की योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र केश्वसन विभाग एवं डायटेटिक्स विभाग साथ मिलकर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए)डॉएमरविन्द्रनाथ ने की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ प्रमोद बिनायके,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए)डॉ के ठाकुर सहितएसीएमओ डॉ जीवन लाल, महाप्रबंधक शाहिद अहमद,महाप्रबंधक बलवीर सिंह और महाप्रबंधक शिवराजनविशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे। बीएसपी के चिकित्सा एवं सीएसआर विभाग द्वारा इस पहल में निभाई गई भूमिका की प्रगति के संबंध में प्रस्तुति दी गई। साक्ष्य आधारित डेटा और टीबी के प्रबंधन में पोषण की भूमिका पर एचओडी डॉ त्रिनाथ दास द्वाराप्रस्तुतिदी गई। डॉ. विधान सरकारने पिछले छह महीनों के डेटा और पोषण आहार के परिणामों को साझा किया।

डायटेटिक्स विभाग से बिजी पिल्लई ने बीएसपी द्वारा प्रदान किए गए पोषण संबंधी समर्थन और सहयोग पर प्रस्तुति दी, साथ ही इस कार्यक्रम के लिए अस्पताल के डायटेटिक अनुभाग द्वारा प्रदान की गई सेवाओं पर भी प्रकाश डाला गया। एसीएमओ (बाल रोग) डॉ एन एस ठाकुर ने, टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जेएलएनएच एंड आरसी और सीएसआर विभाग द्वारा किए गए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। राज्य सरकार के अधिकारियों, स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों और डॉट्स टीम द्वारा प्रदान समर्थन हेतु आभार व्यक्त किया गया।

स्कूली बच्चों को दी गई क्लीन टॉयलेट की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की स्वच्छता टीम द्वारा निकाय क्षेत्र के सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों की विशेष सफाई की जा रही है, साथ नागरिकों को शौचालय में स्वच्छता बनाए रखने जागरूक भी किया जा रहा है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य के समस्त नगरीय निकायों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत विश्व शौचालय सप्ताह मनाया जा रहा है। निगम भिलाई में 25 दिसम्बर तक चलने वाले क्लीन टॉयलेट कैंपेन में समाज के सभी वर्ग को स्वच्छता कैंपेन से जोड़ा जाना है इसी के तहत गुरूवार को स्कूल के विद्यार्थियों को सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था,सफाई, हैण्डवॉश एवं फीडबैक की जानकारी दी गई। सभी सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों पहले से और बेहतर बनाने के लिए कार्य किये जा रहे है। सार्वजनिक शौचालयों में बिजली, पानी व सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाने पर कार्ययोजना भी तैयार किया जा रहा है। निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर निगम क्षेत्र के नागरिकों को क्लीन टायॅलेट कैंपेन अभियान में जुड़कर क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक शौचालय की सफाई एवं रखरखाव में सहयोग हेतु अपील की जा रही है। अभियान के दौरान स्व सहायता समूह एवं स्कूली बच्चों को शौचालय का भ्रमण भी करवाया गया। निगम के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने स्कूली बच्चों को घर या सार्वजनिक शौचालय के उपयोग कर साफ-सफाई और रखरखाव हेतु जागरूक भी किये।

बीएसपी द्वारा आयोजित एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र शतरंज प्रतियोगिता उद्घाटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग,21 से 23 दिसम्बर 2023 तक तीन दिवसीय एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र शतरंज प्रतियोगिता-2023 की मेजबानीकर रहा है। जिसका आयोजन भिलाई निवास के एमपी हॉल में किया जा रहा है। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र के अलावा 7 अन्य इस्पात संयंत्रों डीएसपी, इसको, आईएसपी, एसएसपी, आरआईएनएल, आरएसपी, टाटा स्टील प्लांट की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता शतरंज फैडेरेशन ऑफइंडिया के नियमानुसार खेली जायेगी।

प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन 21 दिसम्बर 2023 को प्रात: 10.00 बजे भिलाई निवास के सभागार में, कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सेल निगमित कार्यालय, नई दिल्ली से चीफ ऑफ कॉर्पोरेट

अफेयर्स चिन्मय समाजद्वार, वाईस प्रेसिडेंट (एसपीएसबी) एवं मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, महाप्रबंधक एस के सोनी, महाप्रबंधक एस शेखर, महाप्रबंधक प्रशांत तिवारी, उप-महाप्रबंधक सौमिक डे, उप महाप्रबंधक एस आर जाखड़, जनरल सेक्रेटरी परविंदर सिंह सहित सहायक प्रबंधक अभिजीत भौमिक, सहायक महाप्रबंधक अलंकार भिवगडे, अंर्तराष्ट्रीय फ्डि़े निर्णायक अनिश अंसारी, मिथलेश बाजपेयी एवं बीएसपी के एससीसीए विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कार्मिकगण उपस्थित थे।

उद्घाटन के अवसर पर पवन कुमार ने प्रतियोगिता में शामिल सभी संयंत्रो के प्रतिभागियों का स्वागत व उत्साहवर्धन करते हुये, उन्हें अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने की शुभकामनायें दीं।उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र को इस चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर देने के लिए, डॉ. चिन्मय समाजद्वार को धन्यवाद दिया और कहा कि शतरंज एक प्राचीन खेल है और प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है। सिर्फ खेलना ही एकमात्र चीज नहीं है, बल्कि इस तरह की चैंपियनशिप हमारे स्टील बिरादरी के अन्य व्यक्तियों के साथ जुड़ने, बातचीत करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर भी प्रदान करती है। पवन कुमार ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आप सभी भिलाई से सुखद यादें लेकर जायेंगे।

डॉ. चिन्मय समाजद्वार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र हर पहलू में प्रसिद्ध है, चाहे वह उत्पादकता हो,खेल हो या सांस्कृतिक गतिविधियाँ हों, साथ ही संयंत्र की एक अद्भुत आयोजन क्षमता है। शतरंज दिमाग का खेल है और यह भारतीयों के खून में है। खेल लोगों को एक साथ लाने का सबसे अच्छा तरीका है। और इसी उद्देश्य के साथ एसपीएसबी का मंच, स्टील उद्योग के दो दिग्गजों सेल और टाटा स्टील द्वारा बहुत पहले शुरू किया गया था। उन्होंने कहा, अब हम इस्पात उद्योग में अन्य इकाइयों के लिए भी एसपीएसबी का विस्तार करने के इच्छुक हैं, जिसके लिए भारतीय इस्पात उद्योग से भागीदारी की उम्मीद है। सही राम जाखड़ने अतिथियों को विभिन्न इस्पात संयंत्रों से आए आठ टीमों के खिलाड़ियों से परिचित कराया।

आचार्य सरयू कान्त झा ने किया हम सबका मार्गदर्शन-आचार्य कछवाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 'आचार्य सरयू कान्त झा बड़े ही सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी थे। साहित्य,संस्कृति, समाजसेवा और राष्ट्रप्रेम को वे समर्पित थे। इस छत्तीसगढ़ महतारी के सपूत ने राज्य स्थापना आन्दोलन में भी बड़ी भूमिका निभाई।' ये उद्गार हैं वरिष्ठ शिक्षाविद् और साहित्यकार आचार्य बालचन्द्र सिंह कछवाह के। वे सरयू कान्त झा जन्मशताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि की आसन्दी से साहित्य प्रेमियों को सम्बोधित कर रहे थे। आचार्य सरयू कान्त झा स्मृति संस्थान रायपुर द्वारा सरयू प्रवाह के द्वारा प्रथम व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन किया गया। साहित्य विमर्श और परिसंवाद के इस कार्यक्रम में पूरे छत्तीसगढ़ और रायपुर के साथ दुर्ग-भिलाई से भी अनेक साहित्यसेवियों ने अपनी

सक्रिय उपस्थिति दर्ज़ की। इस्पात नगरी के साहित्य-संस्कृति मर्मज्ञ आचार्य डॉ महेशचन्द्र शर्मा ने इस गरिमामय समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. शर्मा ने इस दौरान कहा कि आचार्य पं.सरयूकान्त वेद, रामायण और गीता के ज्ञाता एवं मेरे प्रेरणास्रोत थे। अपने से छोटों को सदा बढ़ावा देना उनका स्वभाव था। उनके व्यक्तित्व में एक रचनात्मक आकर्षण था। उनके कृतित्व में इसका प्रतिबिम्ब दिखाई देता था। संस्थान के सचिव और उनके सुपुत्र पं. शारदेन्दु झा ऐसे कार्यक्रमों द्वारा पितृऋण और गुरुऋण से मुक्त का अच्छा प्रयास कर रहे हैं। विशेष अतिथि एवं इतिहासविद्, पुरातत्ववेत्ता और संस्कृति के ज्ञाता डॉ.रमेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा कि सरयू कान्त झा के द्वारा विविध संस्थाओं में दिये व्याख्यानों की कैसेट्स संग्रहित कर उनपर पुस्तकें तैयार करना चाहिये। ताकि लोग उन्हें याद करते हुये प्रेरणा लें।

साहित्य-संगीत मर्मज्ञ और बहुभाषाविद् डॉ चित्तरंजन कर ने कहा कि आचार्य झा छात्रों के लिये बहुत दयालु थे। दुर्ग जिला हिन्दी साहित्य समिति की अध्यक्ष सरला शर्मा ने आचार्य सरयू कान्त द्वारा शिक्षा के विस्तार के लिये किये प्रयासों की सराहना करते हुये अनुकरणीय बताया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950